खबर संक्षेप

दोहरी रेल लाइन में जमीन अधिग्रहण का विरोध

शहडोल। ब्यौहारी से जोबा तक प्रस्तावित दोहरी रेलवे लाइन के लिए भूमि अधिग्रहण की आहट मिलते ही ग्राम पंचायत तेंदुआढ़ के किसान आक्रोशित हो उठे हैं। बंजर होती आजीविका और बेदखली के डर से लामबंद हुए ग्रामीणों ने अनुविभागीय अधिकारी जयसिंहनगर को ज्ञापन सौंपकर साफ कर दिया है कि जब तक उनकी 5 प्रमुख मांगें पूरी नहीं होतीं, तब तक नक्शा तरमीम और अधिग्रहण की प्रक्रिया आगे नहीं बढऩे दी जाएगी। मांगें न माने जाने पर किसानों ने उग्र आंदोलन और धरना-प्रदर्शन की खुली चेतावनी दी है।

500 एकड़ पहले गंवाई, अब फिर 100 एकड़ पर कब्जा!

किसानों ने अपनी व्यथा सुनाते हुए बताया कि पूर्व में ब्यौहारी से सिंगरौली तक रेल लाइन बिछाने के दौरान गांव की 500 एकड़ से अधिक उपजाऊ भूमि अधिग्रहित की जा चुकी है। अब दोबारा जोबा तक दोहरी लाइन के नाम पर 100 एकड़ से ज्यादा जमीन छीनने की तैयारी है। लगातार अधिग्रहण से क्षेत्र के कई किसान परिवार पूरी तरह भूमिहीन होने की कगार पर पहुंच गए हैं।

अन्नदाताओं की 5 मुख्य मांगें

अधिग्रहित जमीन के एवज में प्रभावित परिवार के कम से कम एक सदस्य को रेलवे या सरकारी नौकरी दी जाए। भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया वर्ष 2025-26 के अद्यतन खसरे और रिकॉर्ड के आधार पर पारदर्शी तरीके से पूरी की जाए। मुआवजे का निर्धारण पुरानी शासकीय दरों के बजाय वर्तमान में चल रही बाजार दर (मार्केट रेट) के आधार पर तय हो। अधिग्रहण के बाद बची हुई कृषि भूमि तक पहुंचने के लिए पक्की सडक़, सिंचाई के लिए पानी और बिजली की व्यवस्था की जाए। खेत में बने मकान, फलदार/ इमारती पेड़-पौधों और बोरवेल का निष्पक्ष मूल्यांकन कर उचित मुआवजा राशि दी जाए।

मांगें पूरी न होने पर उग्र आंदोलन की चेतावनी- ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि प्रशासन ने किसानों के हितों को नजरअंदाज कर जबरन प्रक्रिया आगे बढ़ाने की कोशिश की, तो वे काम बंद कराकर धरने पर बैठने को मजबूर होंगे, जिसकी पूरी जिम्मेदारी शासन-प्रशासन की होगी। ज्ञापन सौंपने के दौरान बड़ी संख्या में क्षेत्रीय किसान और ग्रामीण मौजूद रहे।

देशप्रेम से अनुप्राणित लोक गीत स्पर्धा का आयोजन



शहडोल। भारत विकास परिषद स्वामी विवेकानन्द शाखा शहडोल के तत्वावधान में शनिवार को प्रांतीय राष्ट्रीय समूह गान स्पर्धा का आयोजन किया गया। जिसमें हिन्दी, संस्कृत के देश प्रेम से ओत प्रोत गीत गाए गए। भारती पैलेस में आयोजित इस कार्यक्रम में स्थानीय संस्कृति पर आधारित लोकगीतों का शानदार प्रदर्शन किया गया। बच्चों ने गीतों के माध्यम से राष्ट्र की आराधना की। इस कार्यक्रम को संबोधित करते हुए परिषद के अध्यक्ष मनीष गुप्ता ने अपने स्वागत भाषण में कहा कि यह हमारा सौभाग्य है कि यह हमारा सौभाग्य कि हम प्रांतीय और क्षेत्रीय दोनो स्पर्धाओं का आयोजन कर रहे हैं। कार्यक्रम का उद्देश्य है बच्चों में राष्ट्रप्रेम के भाव को विकसित कर उन्हे देश का बेहतर नागरिक बनाना। परिषद की सचिव नीति सिंघल ने कार्यक्रमों की जानकारी दी। कार्यक्रम के अध्यक्ष परिषद के प्रांतीय महासचिव आलोक टिकरिया ने बताया कि यह आयोजन अलग अलग स्तरों पर प्रतिवर्ष किए जाते हैं। मुख्य अतिथि की आसंदी से बोलते हुए योगेश जैन ने प्रतिभागियों को अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने और परिणामों को सहजता से स्वीकार करने की प्रेरणा दी।

यह रहा परिणाम-परिणामों की घोषणा परिषद के क्षेत्रीय संपर्क संयोजक एस एस जौहरी ने की। परिणामों के अनुसार हिन्दी एवं संस्कृत लोकगीतों में बड़ूसले इंग्लिश स्कूल कटनी प्रथम, महर्षि विद्या मंदिर शहडोल द्वितीय रहे। जबकि डीएबी स्कूल सिंगरौली, संस्कृत में डीसेंट स्कूल छतरपुर को तृतीय स्थान मिला। लोकगीत में डिसेंट इंगलिश स्कूल छतरपुर को द्वितीय तथा ज्ञानोदय इंगलिश मीडियम स्कूल अनूपपुर को तृतीय स्थान मिला। सर्वाधिक अंको के आधार पर कटनी की टीम को संपूर्ण विजेता घोषित किया गया।

खरीदी और संविलियन के मामलों में 25 अधिकारी-कर्मचारी कार्रवाई के दायरे में

शहडोल संभाग के नगरीय निकायों में भ्रष्टाचार का जाल



शहडोल। नगरीय निकायों में सामग्री खरीदी, टेंडर, कोटेशन और वित्तीय स्वीकृतियों के नाम पर चल रहे खेल की परतें एक बार फिर उखडऩे लगी हैं। नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग की हालिया जांच रिपोर्ट के अनुसार, प्रदेश के आठ संभागों के 62 मामलों में कुल 146 अधिकारी और कर्मचारी कार्रवाई के घेरे में आए हैं। इनमें ग्वालियर संभाग के बाद शहडोल संभाग दूसरे पायदान पर है, जहां 10 प्रकरणों में 25 अधिकारी-कर्मचारियों की संलिप्तता सामने आई है। प्रशासनिक अमले में इस खुलासे के बाद हडक़ंप मच गया है, क्योंकि जनता के गाढ़े पसीने की कमाई किस तरह नियमों को ताक पर रखकर बांटी जा रही थी, उसकी तस्वीरें अब खुलकर सामने आ रही हैं।

ब्यौहारी में नलकूप और खरीदी में गड़बड़ी

शहडोल जिले की नगर परिषद ब्यौहारी का मामला इस विभागीय कार्रवाई में प्रमुखता से उभरा है। यहां नलकूपों की खुदाई और सामग्री की खरीदी में बाजार दरों से काफी अधिक दामों पर भुगतान किए जाने की गंभीर अनियमितता पाई गई थी। इस मामले में तत्कालीन प्रभारी मुख्य नगर पालिका अधिकारी महेंद्र मिश्रा और यशवंत वर्मा पर गाज गिरनी तय हुई है। विभागीय विवरण के मुताबिक, महेंद्र मिश्रा की दो वेतनवृद्धियां रोकने के साथ ही उनसे 1 लाख 18 हजार रुपये की राशि वसूलने का निर्णय लिया गया है। वहीं, दूसरे तत्कालीन प्रभारी सीएमओ यशवंत वर्मा की भी दो वेतनवृद्धियां रोकने की कार्रवाई का आदेश दिया गया है। यह प्रकरण इस बात का स्पष्ट उदाहरण है कि किस तरह स्थानीय स्तर पर दरों का बिना परीक्षण किए सरकारी खजाने को चूना लगाया गया।

चार नगर परिषदों में 3.20 करोड़ की आर्थिक क्षति

खरीदी के मामलों से इतर, शहडोल संभाग के अनूपपुर और शहडोल जिलों से जुड़ा एक अन्य बड़ा मामला कर्मचारियों के नियमविरुद्ध संविलियन का है। अनूपपुर जिले की नगर परिषद डोला, डूमरकछार, बनगवां और शहडोल जिले की नगर परिषद बकहो में पंचायतकालीन संविदा और मानदेय कर्मियों के संविलियन में भारी घालमेल पकड़ा गया। इन चार निकायों में कुल 249 कर्मचारियों का नियमविरुद्ध संविलियन किया गया, जिससे शासन को करीब 3 करोड़ 20 लाख रुपये की आर्थिक क्षति उठानी पड़ी। इस गंभीर मामले में तत्कालीन संयुक्त संचालक नगरीय प्रशासन एवं विकास (शहडोल संभाग) सहित कई बड़े अधिकारियों को सेवा से बर्खास्त करने के कड़े निर्देश जारी किए गए। इसके अलावा, तत्कालीन प्रभारी सीएमओ और उपयंत्रियों के स्तर पर करोड़ों रुपये की अनुपातिक वसूली के आदेश भी दिए गए हैं। यह मामला इस बात की गवाही देता है कि किस तरह प्रशासनिक पदों पर बैठे लोगों ने नियमों को ताक पर रखकर अपने चहेतों को लाभ पहुंचाया।

खांड नगर परिषद में तीन करोड़ की खरीदी पर बैठी जांच

शहडोल जिले की ही नगर परिषद खांड (बाणसागर) में करीब तीन करोड़ रुपये की सामग्री खरीदी को लेकर बड़ा विवाद खड़ा हो गया है। मामले की गंभीरता को देखते हुए नगरीय प्रशासन विभाग ने उच्च स्तरीय तीन सदस्यीय जांच समिति का गठन किया है। इस समिति में संभागीय कार्यपालन यंत्री को अध्यक्ष समेत अन्य तकनीकी अधिकारियों को शामिल किया गया है। जांच के दायरे में पानी के टैंकर, इलेक्ट्रिक कचरा वाहन, सोलर पैनल, तिरंगा लाइट, हैंडपंप सामग्री, सफाई रसायन, ओपन जिम उपकरण और सीसीटीवी कैमरे जैसी तमाम सामग्रियां शामिल हैं। शुरुआती शिकायतों में इन सभी मदों की खरीदी पर गंभीर सवाल उठाए गए थे। हालांकि, प्रशासनिक जांच के बाद ही यह पूरी तरह साफ हो पाएगा कि किस सामग्री की खरीदी में क्या अनियमितता बरती गई और अंतिम तौर पर कितनी वित्तीय क्षति पहुंचाई गई है।

बिजुरी और उमरिया के मामलों पर भी टटोल रही है नजर

शहडोल संभाग के अंतर्गत आने वाली अनूपपुर जिले की नगर पालिका बिजुरी में भी अलग-अलग वित्तीय गड़बडिय़ों के चलते लाखों रुपये की आर्थिक क्षति के मामले सामने आए हैं। हालांकि, इन मामलों की पूरी मदवार जानकारी और अंतिम आदेशों के दस्तावेजों का अध्ययन अभी बाकी है, लेकिन सुगबुगाहट तेज हो गई है। दूसरी ओर, उमरिया जिले के नगरीय निकायों से जुड़े मामलों का पूरा विवरण अभी तक खुलकर सामने नहीं आ सका है, जिससे यह अंदेशा लगाया जा रहा है कि आने वाले दिनों में जांच का दायरा और बढ़ सकता है।

कार्रवाई की जद में प्रदेशभर के आंकड़े

प्रदेश स्तर पर देखें तो 62 प्रकरणों में 146 अधिकारी-कर्मचारी कार्रवाई के दायरे में आए हैं, जिनमें 7 को सेवा से बाहर किया गया है, 76 की वेतनवृद्धियां रोकी गई हैं और कईयों की पेंशन व आर्थिक नुकसान की वसूली के आदेश दिए गए हैं। लेकिन शहडोल संभाग के 25 अधिकारी-कर्मचारियों पर शिकंजा कसना यह बताने के लिए काफी है कि क्षेत्रीय स्तर पर वित्तीय अनुशासनहीनता किस हद तक हावी रही है। अब जरूरत इस बात की है कि विभाग द्वारा सभी 10 प्रकरणों की विस्तृत और स्पष्ट सूची सार्वजनिक की जाए, ताकि यह साफ हो सके कि किस अधिकारी ने जनता के पैसों के साथ किस हद तक खिलवाड़ किया है। फिलहाल, ब्यौहारी और खांड की खरीदी के साथ-साथ संविलियन घोटालों ने महकमे की नींद उड़ा दी है और आने वाले दिनों में इस पर और बड़ी प्रशासनिक गाज गिरने की पूरी संभावना है।

62 हाथियों ने की फसलों की तबाही

गांवों में पसरा अंधेरा, जान जोखिम में डाल सकता है सेल्फी का सिरफिरा शौक





शहडोल। जिले के जंगलों से लेकर इंसानी बस्तियों तक इन दिनों हाथियों के कुनबे की चहलकदमी ने ग्रामीणों की रातों की नींद उड़ा दी है। पश्चिम वन परिक्षेत्र में हाल ही में करंट लगने से एक नर हाथी की दर्दनाक मौत के बाद भी जिले में हाथियों का मूवमेंट थमने का नाम नहीं ले रहा है। एक तरफ जहां हाथियों का यह कुनबा खेतों में खड़ी फसलों को रौंदकर तबाह कर रहा है, वहीं दूसरी तरफ कच्चे मकानों के आस-पास हाथियों की चिंघाड़ से लोग खौफजदा हैं। हादसों को रोकने के लिए कई गांवों की बिजली काट दी गई है, जिससे ग्रामीणों को अंधेरे में रात काटने पर मजबूर होना पड़ रहा है।

वन विभाग से प्राप्त आधिकारिक जानकारी के अनुसार, जिले के अलग-अलग वन क्षेत्रों में हाथियों के दो अलग-अलग झुंड कुल 62 हाथी विचरण कर रहे हैं। लगभग 37 हाथियों का एक बड़ा कुनबा बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व की सीमा से होते हुए शहडोल जिले में दाखिल हुआ है। करीब 25 हाथियों का स्थानीय दल पश्चिम ब्यौहारी और अमझोर क्षेत्र में लगातार मूवमेंट बना हुआ है। वर्तमान में पश्चिमी वन परिक्षेत्र के अमझोर, जयसिंहनगर, लहरा, खरहरा, मड़ई और मैडक्री सहित दर्जनों गांवों में इन हाथियों की आवाजाही बनी हुई है। इससे पहले पूर्व ब्यौहारी क्षेत्र के जगमल, अनहरा और नादो इलाकों में भी इस दल ने भारी नुकसान पहुंचाया था।

करंट लगने से हाथी की हुई हालिया मौत से सबक लेते हुए वन विभाग और विद्युत कंपनी फूंक-फूंक कर कदम रख रहे हैं। हाथियों को लटकते बिजली के तारों की चपेट में आने से बचाने के लिए प्रभावित ग्रामीण इलाकों में एहतियातन बिजली सप्लाई पूरी तरह बंद की जा रही है। ऐसे में एक तरफ हाथियों का डर है और दूसरी तरफ घुप अंधेरा, जिससे ग्रामीणों का जीना मुहाल हो गया है। वन विभाग की टीमें प्रभावित गांवों में लाउडस्पीकर (मुनादी) के जरिए लोगों को सतर्क कर रही हैं। ग्रामीणों से रात के समय घरों से बाहर न निकलने और जंगलों की ओर न जाने की सख्त ताकीद की जा रही है। इसके बावजूद कुछ स्थानीय युवक और बच्चे अपनी जान जोखिम में डालकर हाथियों के बिल्कुल करीब पहुंच रहे हैं। हाथियों की फोटो खींचने, मोबाइल से रील बनाने और उनके साथ सेल्फी लेने का सिरफिरा शौक कभी भी बड़ी त्रासदी का रूप ले सकता है। विशेषज्ञों का स्पष्ट कहना है कि हाथियों का व्यवहार अचानक आक्रामक और जानलेवा हो सकता है।

इनका कहना है...

जिले में हाथियों के दो झुंड (25 और 37 हाथी) विचरण कर रहे हैं। वर्तमान में अमझोर, जयसिंहनगर, लहरा, खरहरा, मड़ई और मैडक्री के जंगलों व आस-पास के क्षेत्रों में इनका मूवमेंट है। पपौंध क्षेत्र में फिलहाल मौजूदगी नहीं है। वन विभाग का अमला 24 घंटे मुस्तैदी से गश्त और निगरानी कर रहा है। ग्रामीणों से गुजारिश है कि वे हाथियों से सुरक्षित दूरी बनाकर रखें, सेल्फी या वीडियो बनाने के लिए उनके पास जाने की मूर्खता न करें और वन विभाग का सहयोग करें।

तरुणा वर्मा डीएफओ
उत्तर वन मंडलाधिकारी, शहडोल

मुख्यमंत्री के आगमन से पहले गरमाया आदिवासी महिला सरपंच के अपमान का मामला

क्या मुख्यमंत्री के सामने गूंजेगी ब्यौहारी विधायक की आवाज!



शहडोल। आदिवासी बहुल जिले में एक बार फिर प्रशासनिक अमले की कार्यशैली और जनप्रतिनिधियों के सम्मान को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। सूबे के मुख्यमंत्री के आगमन की तैयारियों के बीच, जिला पंचायत शहडोल में एक आदिवासी महिला सरपंच के साथ कथित दुव्र्यवहार और अपमान का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। हालात यह हैं कि जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी पर गंभीर आरोप लगने के बाद से प्रशासनिक महकमे में खलबली मची है, वहीं राजनीतिक गलियारों में भी सुगबुगाहट तेज हो गई है कि क्या क्षेत्रीय जनप्रतिनिधि इस मामले में पीड़ित महिला को न्याय दिला पाएंगे या फाइलें हमेशा की तरह फाइलों में ही दबी रह जाएंगी।

न्याय मांगने पहुंची महिला सरपंच को मिली थी धमकी

पूरा मामला कुछ समय पहले सामने आया था, जब ग्राम पंचायत बोडरी की आदिवासी महिला सरपंच गणेशिया बाई कोल अपनी स्थानीय समस्याओं और विकास कार्यों से जुड़ी फरियाद लेकर जिला पंचायत कार्यालय पहुंची थीं। सरपंच संघ द्वारा सौंपे गए औपचारिक ज्ञापन और आरोपों के मुताबिक, जब महिला प्रतिनिधि ने अपनी बात रखनी चाही, तो जिम्मेदार अधिकारी ने उनकी बात सुनने के बजाय कथित तौर पर बेहद अपमानजनक और अभद्र भाषा का प्रयोग किया। आरोप है था कि महिला सरपंच को न केवल उनके कक्ष से अपमानित कर बाहर निकलवा दिया गया, बल्कि उन्हें दोबारा कार्यालय न आने की हिदायत देते हुए सरपंच पद से बर्खास्त करने तक की धमकी दी गई थी। एक निर्वाचित महिला प्रतिनिधि के साथ इस तरह का बर्ताव न सिर्फ लोकतांत्रिक मर्यादाओं के खिलाफ है, बल्कि आदिवासी समाज के स्वाभिमान पर भी सीधा प्रहार माना जा रहा है।

सरपंच संघ का अल्टीमेटम और जांच फाइलों पर धूल

इस घटना के सामने आने के बाद स्थानीय स्तर पर जबरदस्त रोष व्याप्त था। जिला अध्यक्ष के नेतृत्व में सरपंच संघ ने इस मामले में कड़ा रुख अपनाते हुए मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा था और संबंधित अधिकारी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई तथा तत्काल स्थानांतरण की मांग की थी। संघ ने चेतावनी दी थी कि यदि तय समय-सीमा के भीतर न्याय नहीं मिला, तो बड़े स्तर पर आंदोलन और कार्य बहिष्कार किया जाएगा। मामले की गंभीरता को देखते हुए मध्य प्रदेश राज्य अनुसूचित जाति आयोग के स्तर पर भी पत्राचार और संज्ञान लेने के निर्देश दिए गए थे, लेकिन हैरानी इस बात की है कि महीनों बीत जाने के बाद भी आयोग के निर्देशों और शिकायतों की फाइलें या तो ठंडे बस्ते में डाल दी गईं या फिर मामले को रफा-दफा करने के प्रयास किए गए।

विधायक शरद कोल की भूमिका पर निगाहें

चूंकि शहडोल में मुख्यमंत्री का आगमन होने जा रहा है, ऐसे में यह मुद्दा मंच पर सबसे बड़ा सवाल बनकर उभर रहा है। एक तरफ जहां सरकार आदिवासियों के उत्थान और महिला सशक्तिकरण के बड़े-बड़े दावे कर रही है, वहीं दूसरी ओर जिला मुख्यालय के ठीक नाक के नीचे एक आदिवासी महिला सरपंच न्याय के लिए दर-दर भटकने को मजबूर है। इस पूरे घटनाक्रम के बीच ब्यौहारी क्षेत्र के कद्दावर विधायक शरद कोल की भूमिका पर हर किसी की निगाहें टिकी हुई हैं। क्षेत्रीय जनता और कोल समाज के लोग यह जानने के लिए उत्सुक हैं कि क्या विधायक अपने समाज की इस पीड़ित महिला जनप्रतिनिधि का पक्ष मुख्यमंत्री के समक्ष मजबूती से रख पाएंगे या नहीं? क्या सत्ता के गलियारों में बैठे नुमाइंदे अपनी ही पार्टी या प्रशासन के खिलाफ जाकर एक आदिवासी महिला को उसका हक दिला पाएंगे?

प्रशासनिक जवाबदेही पर बड़ा सवाल

शहडोल संभाग और ग्रामीण विकास के क्षेत्र में लंबे समय से प्रशासनिक अनुभव और संवेदनशीलता की कमी को लेकर चर्चाएं आम रही हैं। स्थानीय जानकारों का मानना है कि यदि जनप्रतिनिधियों के साथ इस तरह का अमर्यादित व्यवहार खुलेआम होता रहेगा, तो आम ग्रामीण की सुनवाई इस व्यवस्था में कितनी आसानी से होगी, इसका सहज अंदाजा लगाया जा सकता है। अब देखना यह होगा कि मुख्यमंत्री के इस दौरे के दौरान क्या पीड़ित महिला सरपंच को न्याय की कोई किरण दिखाई देती है, या फिर प्रशासनिक लीपापोती के चलते यह संवेदनशील मामला भी कागजों में ही दम तोड़ देगा।

सीएम डॉ. मोहन यादव आज शहडोल को देंगे 461 करोड़ से अधिक की सौगातें

शहडोल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 25 अक्टूबर 2026 को कोयलांचल और विंध्य के केंद्र शहडोल जिले के ऐतिहासिक प्रवास पर आ रहे हैं। बाणगंगा मेला मैदान में आयोजित होने वाले इस विराट भव्य समारोह में मुख्यमंत्री अंचल के विकास को पंख लगाने के लिए 461 करोड़ रुपये से अधिक के विकास कार्यों की सौगात देंगे। एक ओर जहां छह जिलों के लगभग 10 लाख तेंदूपत्ता संग्राहकों के खातों में करोड़ों की बोनस राशि बरसेगी, वहीं दूसरी ओर स्वास्थ्य, शिक्षा, सडक़, पेयजल और पुलिस आवास से जुड़े दर्जनों विकास कार्यों का लोकार्पण और भूमिपूजन भी किया जाएगा।

तेंदूपत्ता संग्राहकों के चेहरों पर खिलेगी मुस्कान

मुख्यमंत्री के इस दौरे का सबसे बड़ा आकर्षण वनोपज संग्राहकों के लिए रहेगा। शहडोल, अनूपपुर, उमरिया, रीवा, सीधी और सतना—यानी कुल छह जिलों के तेंदूपत्ता संग्रहण वर्ष 2024 के 9,77,696 हितग्राहियों को कुल 22 करोड़ 89 लाख 9 हजार 461 रुपये की भारी-भरकम प्रोत्साहन पारिश्रमिक (बोनस) राशि का वितरण किया जाएगा। बाणगंगा मैदान में आयोजित इस महा-सम्मेलन में विभिन्न जिलों से 15 हजार से अधिक संग्राहक प्रत्यक्ष रूप से शिरकत करेंगे।

नवीन वन मंडल कार्यालय भवन को होगा लोकार्पण

उत्तर शहडोल यूनियन के 3000, दक्षिण शहडोल के 7000, दक्षिण अनूपपुर के 1200, दक्षिण उमरिया के 3200, दक्षिण सीधी के 500 और दक्षिण सतना के 100 संग्राहक विशेष तौर पर मौजूद रहेंगे। उत्तर शहडोल वनमंडलाधिकारी तरुणा वर्मा के अनुसार, यहां की 23 समितियों के 1,27,245 संग्राहकों (महिला व पुरुष) के बीच 2 करोड़ 80 लाख रुपये से अधिक की राशि बांटी जाएगी। वहीं, दक्षिण शहडोल वनमंडल की डीएफओ श्रद्धा पेंद्रे के मुताबिक, यहां के 1,94,960 परिवारों को लाभांश का सीधा लाभ मिलेगा। इसके अतिरिक्त, दक्षिण वनमंडल की हितग्राही वसुंधरा सिंह परिहार को एकलव्य शिक्षा छात्रवृत्ति योजना के तहत 31,000 का प्रतीकात्मक चेक भी भेंट किया जाएगा। इसी दिन ग्राम कुदरी में हाउसिंग बोर्ड द्वारा निर्मित दक्षिण शहडोल के नवीन वन मंडल कार्यालय भवन व आवासीय परिसर का लोकार्पण भी होगा।



82.28 करोड़ के 45 विकास कार्यों की सौगात

शहडोल जिले की बुनियादी सुविधाओं और अधोसंरचना को धार देने के लिए मुख्यमंत्री 8 विभागों के अंतर्गत पूर्ण हो चुके 45 विकास कार्यों (कुल लागत 82.28 करोड़) का लोकार्पण करेंगे। इनमें प्रमुख रूप से शामिल हैं। पुलिस आवास एवं अधोसंरचना निगम व गृह निर्माण मंडल के बड़े प्रशासनिक कार्य, लोक निर्माण विभाग के दो प्रमुख मार्ग एवं संरचनाएं, ग्रामीण क्षेत्रों में शुद्ध पेयजल प्रदाय हेतु लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के 14 कार्य एवं पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के 21 कार्य, प्रधानमंत्री ग्रामीण सडक़ योजना के 2 कार्य (4.43 करोड़), चिकित्सा शिक्षा और वन विभाग के कार्य।

379.45 करोड़ के 89 नए कार्यों का भूमिपूजन

भविष्य के विकास की नींव रखते हुए सीएम डॉ. मोहन यादव विभिन्न विभागों के 89 नवीन निर्माण कार्यों का भूमिपूजन करेंगे, जिन पर 379 करोड़ 45 लाख रुपये खर्च किए जाएंगे। लोक निर्माण विभाग के 36 कार्यों के तहत कई ग्रामीण अंचलों को जोड़ा जाएगा। इनमें प्रमुख रूप से साखी पुरनिहा टोला मार्ग, ओढक़ी पहुंच मार्ग, भानपुर-खटोलिया-हर्दी-समातपुर मार्ग, जैतपुर तहसील पहुंच मार्ग, साथ ही टेंघा-छीनमार मार्ग में गौरीहारी नदी और नरवार-गोड़ारू मार्ग में सोन नदी के चकराघाट पर बनने वाले पुल शामिल हैं। जनजातीय कार्य विभाग के 38 कार्यों के अंतर्गत सोहागपुर, जयसिंहनगर, गोहपारू और बुढ़ार ब्लॉक में हाई स्कूल भवनों, छात्रावासों व आश्रमशालाओं का निर्माण होगा। इसके अलावा गोहपारू कन्या शिक्षा परिसर और बुढ़ार पीजी कॉलेज के उन्नयन कार्य भी होंगे। एसपी कार्यालय शहडोल, बुढ़ार थाना भवन और ब्यौहारी थाना परिसर में आरक्षक आवासगृहों का निर्माण भी इस सौगात का हिस्सा है।

शासकीय योजनाओं के हितग्राहियों को मिलेगा सीधा लाभ

कार्यक्रम के दौरान विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के पात्र हितग्राहियों को मंच से सम्मानित किया जाएगा। मेधावी विद्यार्थियों को प्रोत्साहन स्वरूप ई-स्कूटी और प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को लैपटॉप प्रदान किए जाएंगे। प्रधानमंत्री मुद्रा योजना के तहत कविता कोल को 2 लाख का ऋण सहायता चेक तथा लाड़ली लक्ष्मी योजना के तहत आरिका शर्मा को प्रमाण-पत्र मिलेगा। स्वामित्व योजना के तहत ग्राम रायपुर हर्रै एवं हरदी के पांच हितग्राहियों को संपत्ति अधिकार अभिलेख बांटे जाएंगे।

सजेगी भव्य प्रदर्शनी, दिखेगी अंचल की कला व तरक्की

बाणगंगा मैदान में विभिन्न विभागों द्वारा आकर्षक प्रदर्शनियां लगाई जाएंगी। इसमें स्कूल शिक्षा की स्कूटी योजना, नीति आयोग प्रायोजित आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस प्रशिक्षण, वनोपज व जदी-बूटी उत्पाद, एक जिला-एक उत्पाद के तहत हल्दी प्रसंस्करण, बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व की ख्याति, आजीविका मिशन की लखपति दीदी सफलताएं, कृषि विभाग के मिलेट्स व प्राकृतिक खेती मॉडल, पीएम जनमन योजना के तहत बैगा बस्तियों का विकास, तथा संत रविदास हस्तशिल्प केंद्र छतवई के माध्यम से काष्ठ शिल्प, दरी, कालीन व धातु शिल्प के लाइव उत्पादों का प्रदर्शन मुख्य आकर्षण रहेगा। मुख्यमंत्री के इस मेगा-विजिट से शहडोल संभाग के हर वर्ग चाहे वह जंगल में पत्ता तोडऩे वाला गरीब संग्राहक हो, पढ़ाई करने वाला मेधावी छात्र हो या गांव की चौपाल में अभूतपूर्व उत्साह का माहौल है।

कागजों पर बना खेल मैदान, धरातल पर सन्नाटा

7.23 लाख का खेल कर डकार गए भ्रष्टाचारी

मानपुर।

जनपद पंचायत मानपुर की ग्राम पंचायत भोलगढ़ में सरकारी खजाने में किस तरह सेंधमारी की जाती है और मासूम बच्चों के भविष्य का किस कदर मखौल उड़ाया जाता है, इसका एक शर्मनाक नमूना सामने आया है। उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के छात्रों को खेलकूद की सुविधाएं मुहैया कराने के नाम पर पंचम राज्य वित्त आयोग से स्वीकृत 7,23,000 की भारी-भरकम राशि का बिना कोई नया काम कराए ही बंदरबांट कर लिया गया। कागजों में तो मैदान तैयार हो चुका है, लेकिन धरातल पर स्कूली बच्चे आज भी उसी पथरीली और बदहाल जमीन पर चोटिल होने को मजबूर हैं।







कागजी लीपापोती और तारीखों की जादुई बाजीगरी

आधिकारिक दस्तावेजों की मानें तो ग्राम सभा और ग्राम पंचायत ने 14 अप्रैल 2026 को प्रस्ताव अनुमोदित किया। इसके बाद 15 मई 2026 को तकनीकी और 16 मई 2026 को प्रशासकीय स्वीकृति जारी हुई। इसमें मजदूरी मद के 1,08,450 और सामग्री मद के 6,14,550 तय थे। नियमानुसार, कार्यस्थल पर निर्माण एजेंसी, लागत और विवरण का सूचना पटल (बोर्ड) लगाना अनिवार्य था, ताकि ग्रामीणों में पारदर्शिता बनी रहे, लेकिन भोलगढ़ में ऐसा कोई बोर्ड नहीं लगा, ताकि इस फर्जीवाड़े की भनक किसी को न लग सके। जुलाई 2026 आते-आते स्वीकृत राशि का पूरा आहरण कर लिया गया। विद्यालय प्रबंधन और ग्रामीणों के अनुसार, मई में स्वीकृति मिलने के बाद मैदान में एक कुदाल तक नहीं चली। जिस काम का पैसा निकाला गया, वह दरअसल दो साल पहले पंचायत द्वारा डलवाई गई थोड़ी सी मुरूम का था। पुराने काम पर नई फाइल चढ़ाकर पूरी राशि साफ कर दी गई।

उपयंत्री प्रमोद खरे का अद्भुत गणित

इस पूरे भ्रष्टाचार के केंद्र में उपयंत्री प्रमोद खरे की भूमिका पर गंभीर और सीधे सवाल खड़े हो रहे हैं। उपयंत्री का हास्यास्पद तर्क है कि दो वर्ष पूर्व जो कार्य हुआ था, उसका भुगतान करना था। तकनीकी जानकार और सिविल सर्विस नियम की माने तो, जब विद्यालय में मुरूम दो साल पहले ही डल चुकी थी, तो वर्तमान में स्थल चयन के दौरान उपयंत्री ने यह कैसे तय कर लिया कि दो साल पहले कितनी मुरूम डाली गई थी? कौन सा ऐसा तकनीकी पैमाना है जो पुरानी दबी-धंसी मुरूम का वर्तमान में सटीक घनमीटर नाप ले?

नियमों का सरेआम उल्लंघन

मध्य प्रदेश पंचायती राज एवं ग्राम स्वराज अधिनियम तथा लोक निर्माण विभाग के मैनुअल के अनुसार उपयंत्री कभी भी पूर्व में हुए (भूतकाल के) कार्यों का वर्तमान दिनांक में नया एस्टीमेट (प्राक्कलन) नहीं बना सकते। कार्य की स्वीकृति से पहले का काम तकनीकी रूप से अवैध माना जाता है। यदि पुराना काम था तो उसका तत्कालीन समय का मूल्यांकन और मेजरमेंट बुक दर्ज होनी चाहिए थी। वर्तमान में फर्जी स्टीमेट बनाकर पुरानी राशि का आहरण करना सीधा-सीधा जालसाजी का मामला बनता है।

अवैध मुरूम और फर्जी बिलिंग पर आंखें बंद

क्षेत्र में एक भी वैध मुरूम खदान संचालित नहीं है। इसके बावजूद वेंडर ने वर्तमान तारीखों में सैकड़ों ट्रॉली मुरूम की आपूर्ति के बिल कैसे काट दिए? उपयंत्री का यह कहना कि पंचायत चोरी की सामग्री लाए या कहीं से, उनसे मतलब नहीं उनकी नैतिक और कानूनी जवाबदेही पर बड़ा प्रश्नचिह्न लगाता है। बिना भौतिक सत्यापन और वैध रायल्टी चुकता रसीद के बिलों का मूल्यांकन दर्ज करना उपयंत्री की प्रत्यक्ष सांठ-गांठ को उजागर करता है।

वित्तीय कुप्रबंधन और मिलीभगत के साझेदार

पंचायत का वित्तीय संचालन देख रहे सरपंच और रोजगार सहायक इस भ्रष्टाचार के बराबर के भागीदार हैं। पंचायत की कार्यपालिक जिम्मेदारी सरपंच और रोजगार सहायक की होती है। बिना धरातल पर काम देखे, फर्जी बिलों को सत्यापित कर राशि का आहरण किसके इशारे पर किया गया? फर्जी वेंडर तैयार कर बिना आपूर्ति के भुगतान जारी करना सरपंच और रोजगार सहायक की मंशा पर साफ पानी की तरह स्पष्ट है। क्या रोजगार सहायक और सरपंच को यह नहीं दिख रहा था कि विद्यालय प्रांगण में पिछले तीन महीनों से एक भी मजदूर या मशीन नहीं लगी? इसके बावजूद भुगतान की फाइल पर हस्ताक्षर कर राशि आहरित कर ली गई।

उच्चस्तरीय जांच और एफआईआर की मांग

कागजी खेल में मैदान तो बन गया, पर बच्चों के हिस्से सिर्फ पत्थर आए। स्थानीय ग्रामीणों और अभिभावकों ने जिला प्रशासन व वरिष्ठ अधिकारियों से मांग की है कि उपयंत्री प्रमोद खरे संबंधित सरपंच और रोजगार सहायक के विरुद्ध नियमों के उल्लंघन एवं धोखाधड़ी की धाराओं में तत्काल प्राथमिकी दर्ज की जाए। आहरित की गई 7,23,000 की राशि की सख्त वसूली दोषियों के वेतन व व्यक्तिगत संपत्ति से की जाए। संपूर्ण प्रकरण की निष्पक्ष एवं उच्चस्तरीय तकनीकी जांच कराई जाए ताकि मानपुर जनपद में फल-फूल रहे इस फर्जीवाड़ा गिरोह का पर्दाफाश हो सके।

निस्तार डिपो, बंदरों के आतंक और पेयजल समस्या को लेकर कलेक्टर को सौंपा आवेदन

मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के शिविर में रवि सेन ने उठाए नगर की मूलभूत समस्याओं से जुड़े मुद्दे

मानपुर। मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के अंतर्गत 23 अक्टूबर 2026 को नगर परिषद मानपुर के मंगल भवन में आयोजित शिविर में नगर की प्रमुख मूलभूत समस्याओं को लेकर युवा पत्रकार रवि सेन ने जिला कलेक्टर उमरिया के नाम आवेदन सौंपकर शीघ्र निराकरण की मांग की। आवेदन में नगर परिषद मानपुर में निस्तार डिपो खोले जाने, लाल मुंह वाले बंदरों के आतंक से निजात दिलाने तथा वार्ड क्रमांक 5 की पेयजल व्यवस्था का पुनः भौतिक सत्यापन कर जलापूर्ति शुरू किए जाने की मांग प्रमुखता से रखी गई।

दाह संस्कार में भी होती है परेशानी

आवेदन में उल्लेख किया गया कि नगर परिषद मानपुर चारों ओर से बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व क्षेत्र से घिरा हुआ है। ऐसे में आम निस्तार के लिए जंगल से जलाऊ लकड़ी प्राप्त करना नगरवासियों के लिए आसान नहीं है। विशेषकर किसी परिवार में मृत्यु होने पर दाह संस्कार के लिए आवश्यक लकड़ी की व्यवस्था करने में लोगों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। रवि सेन ने मांग की कि वन विभाग, नगर परिषद एवं राजस्व विभाग के समन्वय से मानपुर में निस्तार डिपो स्थापित किया जाए, जहां निर्धारित राशि जमा कर नगरवासी आवश्यकता के अनुसार जलाऊ लकड़ी प्राप्त कर सकें। इससे आम लोगों को सुविधा मिलने के साथ जंगल पर अनावश्यक निर्भरता भी कम हो सकेगी।

बंदरों के आतंक से परेशान नगरवासी

आवेदन में नगर के विभिन्न वार्डों में लाल मुंह वाले बंदरों के बढ़ते आतंक का भी मुद्दा उठाया गया। आरोप है कि बंदरों के कारण आए दिन लोग घायल हो रहे हैं तथा घरों में रखे सामान और फसलों को नुकसान पहुंच रहा है। घरों की छतों एवं पेड़-पौधों पर बंदरों के झुंड रहने से लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। रवि सेन के अनुसार, नगर परिषद की पूर्व बैठक में बंदरों को पकड़वाने संबंधी प्रस्ताव पारित किए जाने की जानकारी भी सामने आई थी, लेकिन अब तक अपेक्षित कार्रवाई नहीं हो सकी है। उन्होंने कलेक्टर से संबंधित विभागों के माध्यम से बंदरों को पकड़वाने की प्रभावी कार्रवाई कराने की मांग की है।

वार्ड 5 में पेयजल आपूर्ति पुनः शुरू कराने की मांग

वार्ड क्रमांक 5 में दूषित पानी की शिकायतों के बाद एसडीएम मानपुर एवं नगर परिषद अमले द्वारा पेयजल आपूर्ति बंद किए जाने का उल्लेख भी आवेदन में किया गया है। इसके बाद टैंकरों के माध्यम से पेयजल उपलब्ध कराने की व्यवस्था की गई, लेकिन समय पर टैंकर नहीं पहुंचने से वार्डवासियों को परेशानी होने की बात कही गई है। आवेदन में मांग की गई है कि वार्ड क्रमांक 5 स्थित पुरानी पंचायत टांका से पेयजल व्यवस्था का पुनः भौतिक सत्यापन कराया जाए। यदि जांच में पानी पीने योग्य पाया जाता है तो आवश्यक प्रक्रिया के बाद नल जलापूर्ति पुनः शुरू की जाए, ताकि वार्डवासियों को नियमित पेयजल उपलब्ध हो सके।

पहले भी दिए जा चुके हैं आवेदन

रवि सेन का कहना है कि निस्तार डिपो खोलने, बंदरों को पकड़वाने और पेयजल समस्या के निराकरण को लेकर उनके द्वारा पूर्व में भी जिला प्रशासन, नगर परिषद मानपुर, वन विभाग तथा जनसुनवाई के माध्यम से कई बार आवेदन दिए जा चुके हैं। इसके बावजूद समस्याओं के स्थायी समाधान की दिशा में अपेक्षित कार्रवाई नहीं होने का आरोप है। अब मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के तहत आयोजित शिविर में दिए गए आवेदन के बाद नगरवासियों की इन समस्याओं पर जिम्मेदार विभाग क्या कार्रवाई करते हैं, यह देखना महत्वपूर्ण होगा। स्थानीय लोगों को उम्मीद है कि इस बार आवेदन महज औपचारिकता बनकर न रह जाएं, बल्कि समस्याओं के स्थायी समाधान की दिशा में ठोस कदम उठाए जाएं।

जन सुरक्षा युवा सृजन संवाद कार्यक्रम 28 एवं 29 अक्टूबर को शासकीय महाविद्यालय में



उमरिया। विद्यार्थियों को कानून, मौलिक अधिकारों, कानूनी प्रावधानों एवं पुलिस की कार्यप्रणाली से अवगत कराने के उद्देश्य से प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस शासकीय आर.व्ही.पी.एस. स्नातकोत्तर महाविद्यालय में 28 एवं 29 अक्टूबर को दो दिवसीय जन सुरक्षा युवा सृजन संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया है। उच्च शिक्षा विभाग एवं मध्यप्रदेश पुलिस के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित इस कार्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों को नागरिक सुरक्षा और कानून से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों की जानकारी दी जाएगी। कार्यक्रम की तैयारी के संबंध में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आलोक कुमार शर्मा की अध्यक्षता में बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में प्राचार्य डॉ. अमित कुमार निगम, कार्यक्रम संयोजक ऋषिराज पुरवार एवं सह-संयोजक डॉ. अरविंद शाह बरकड़े उपस्थित रहे।

उमरिया जिले में अवैध मदिरा के विरुद्ध कार्रवाई जारी

उमरिया। जिले में अवैध मदिरा के विनिर्माण, संग्रहण, विक्रय एवं परिवहन पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित करने के उद्देश्य से आबकारी विभाग द्वारा विशेष अभियान चलाकर कार्रवाई की जा रही है। कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय के निर्देश पर जिला आबकारी अधिकारी ममता अहिरवार के मार्गदर्शन में गत सप्ताहह जिले के विभिन्न क्षेत्रों में कार्रवाई की गई। आबकारी विभाग की टीम ने वृत्त उमरिया, मानपुर, नौरोजाबाद एवं पाली के अंतर्गत ग्राम रमपुरी, उजनिया, चंदिया, भगड़ा, पलझा, भरेवा, बमनगवां, महरोई, असोढ़, चिल्हारी, नौसेमर, पटपरा, मुंडा, घुलघुली, गदहादफाई एवं बड़ा छादास सहित विभिन्न स्थानों पर कार्रवाई करते हुए कुल 79 लीटर हाथ भट्टी मदिरा, 640 किलोग्राम महुआ लाहन तथा 8.06 बल्क लीटर देशी एवं विदेशी मदिरा जब्त की। कार्रवाई के दौरान 30 प्रकरण दर्ज कर विवेचना में लिए गए। जब्त सामग्री की अनुमानित कीमत 78 हजार 406 रुपये आंकी गई है। कार्रवाई में आबकारी उपनिरीक्षक दिनकर सिंह तिवारी, पिंकी हिंदुजा एवं अमितेष सिंह, मुख्य आरक्षक अवध सिंह बघेल एवं कविता सिंह, आरक्षक विद्या सिंह, राजपति प्रजापति एवं अंजलि गौतम सहित नगर सैनिकों की सहभागिता रही।

नरवाई प्रबंधन में करें कृषि यंत्रों का उपयोगः कलेक्टर

नरवाई जलाने पर होगी दण्डात्मक कार्यवाही

उमरिया। जिले में खरीफ फसलों की कटाई के उपरांत खेतों में फसल अवशेष जलाने की प्रथा को रोकने एवं पर्यावरण संरक्षण हेतु कृषि विभाग द्वारा व्यापक स्तर पर नरवाई प्रबंधन अभियान चलाया जा रहा है। कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय ने कहा कि खेतों में नरवाई जलाने से न केवल वायु प्रदूषण बढ़ता है, बल्कि मिट्टी के जैविक गुण नष्ट हो जाते हैं। नरवाई जलाने से मिट्टी में मौजूद मित्र कीट, सूक्ष्म जीवाणु एवं आवश्यक पोषक तत्व (जैसे नाइट्रोजन, फास्फोरस, पोटाश एवं सल्फर) जलकर नष्ट हो जाते हैं, जिससे भूमि की उपजाऊ क्षमता घटती है और फसलों की लागत में वृद्धि होती है। नरवाई प्रबंधन हेतु आधुनिक कृषि यंत्रों उपयोग करे।

उन्होने कृषक बंधुओ से खेतों में नरवाई जलाने के बजाय कृषि यंत्रों जैसे सुपर सीडर , हैप्पी सीडर ,मल्चर , रीपर बाइंडरों, रिवर्सिबल, एम.बी. प्लाऊ एवं रोटावेटर, स्ट्रॉ रीपर तथा बेलर के उपयोग की सलाह दी है। उन्होंने कहा कि नरवाई जलाने पर भारतीय सुरक्षा संहिता अंतर्गत अर्थदण्ड देय होगा । छोटे भूमि मालिक जिनकी भूमि का क्षेत्र 2 एकड़ से कम है, को पर्यावरण क्षतिपूर्ति के रूप में 2 हजार 500 रूपये प्रति घटना देना होगा। इसी प्रकार जिनकी भूमि का क्षेत्र 2 एकड़ से अधिक व 5 एकड़ से कम है, उन्हें पर्यावरण क्षतिपूर्ति के रूप में 5 हजार रूपये प्रति घटना देना होगा एवं जिनकी भूमि का क्षेत्र 5 एकड़ या उससे अधिक है, उन्हें पर्यावरण क्षतिपूर्ति के रूप में 15 हजार रूपये प्रति घटना देना होगा। नरवाई जलाने पर प्राथमिकि भी दर्ज की जाएगी।

प्रभारी मंत्री का उमरिया आगमन पर हुआ आत्मीय स्वागत



उमरिया। प्रदेश के अनुसूचित जाति कल्याण मंत्री एवं जिले के प्रभारी मंत्री नागर सिंह चौहान का उमरिया आगमन पर आत्मीय स्वागत किया गया। कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय, जिला पंचायत उपाध्यक्ष ओम नारायण सिंह, एसडीएम बांधवगढ़ अंबिकेश प्रताप सिंह, डिप्टी कलेक्टर प्रत्युष श्रीवास्तव, सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग डा पूजा व्दिवेदी सहित अधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों ने पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका स्वागत किया।

कृषक बंधु कस्टम हायरिंग सेंटर से कृषि यंत्रों का उपयोग नरवाई प्रबंधन में कर सकते है

उमरिया। जिले में कस्टम हायरिंग सेंटर में कृषि यंत्रों की उपलब्धता सुनिश्चित कराई गई है। जिले के विभिन्न विकासखंडों में स्थापित कस्टम हायरिंग सेंटर से संपर्क कर कृषक बंधु नरवाई प्रबंधन में कृषि यंत्रों का उपयोग कर सकते है। उप संचालक कृषि संग्राम सिंह मरावी से प्राप्त जानकारी अनुसार करकेली विकासखंड अंतर्गत खेरवाखुर्द में राजीव लोचन पांडेय मोबाइल नंबर 9827806503, बड़खेरा में पंकज कुमार तिवारी , चंदिया में प्रवीण कुमार अग्रवाल, सुखदास में अर्जुन जायसवाल मोबाइल नंबर 9893209384, मढउ में ज्ञान प्रकाश गुप्ता मोबाइल नंबर 9993871002, करौदीटोला में ज्ञानेंद्र कुमार सेंगर मोबाइल नंबर 8718905349, पाली में प्रमोद कुमार शुक्ला मोबाइल नंबर 9179261532, लोढ़ा में संदीप कुमार राय मोबाइल नंबर 7000696635, देवडंडी में सुखमती कोरी मोबाइल नंबर 8461939522, जटवार में अंकित कुमार यादव मोबाइल नंबर 7354870560, बड़छड में अमरेंद्र सिंह परिहार मो0नं07869474443 तथा बम्हनगवां में नीरज पांडे मोबाइल नंबर 9755169897 पर संपर्क कर किसान कृषि यंत्र के माध्यम से नरवाई प्रबंधन में बुवाई कर सकते है।

शरद पूर्णिमा आज, पंचायती मंदिर और शिवसागर धाम सहित शिव मंदिरों में होंगे भव्य धार्मिक



हरिभूमि न्यूज कोतमा। नगर में रविवार को शरद पूर्णिमा का पर्व श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया जाएगा। इस अवसर पर नगर के प्रमुख धार्मिक स्थलों, पंचायती मंदिर, शिवसागर धाम और विभिन्न शिव मंदिरों में विशेष धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। शरद पूर्णिमा की पूर्व संध्या पर ही मंदिरों में तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। रविवार को सुबह से ही मंदिरों में विशेष पूजा-अर्चना, अभिषेक और श्रृंगार के कार्यक्रम शुरू होंगे। शिव मंदिरों में भगवान भोलेनाथ का आकर्षक श्रृंगार किया जाएगा और महाआरती का आयोजन होगा। पंचायती मंदिर के पुजारी कुंज बिहारी मिश्रा ने बताया धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, शरद पूर्णिमा की रात चंद्रमा की किरणों से अमृत वर्षा होती है। इसी परंपरा को देखते हुए नगर के पंचायती मंदिर और शिवसागर धाम में देर रात तक भजन-कीर्तन का आयोजन किया जाएगा। इसके बाद खुले आसमान के नीचे रखी गई विशेष खीर का प्रसाद श्रद्धालुओं के बीच वितरित किया जाएगा। मंदिर समितियों के पदाधिकारियों ने नगर के सभी धर्मप्रेमी बंधुओं से धार्मिक आयोजनों में सम्मिलित होकर पुण्य लाभ अर्जित करने की अपील की है। पर्व को लेकर नागरिकों श्रद्धालुओं में खासा उत्साह देखा जा रहा है।

गुलाबी ठंड की दस्तक, न्यूनतम तापमान 16 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड, रात में बढ़ी ठिठुरन

हरिभूमि न्यूज कोतमा। नगर सहित कोयलांचल एवं ग्रामीण क्षेत्र एवं आसपास के इलाकों में गुलाबी ठंड ने दस्तक दे दी है। शनिवार को क्षेत्र में मौसम पूरी तरह साफ रहा और धूप खिली रही, लेकिन सुबह-शाम और रात के समय ठंड का अहसास काफी बढ़ गया है। मौसम विभाग के आंकड़ों के अनुसार, शनिवार को कोतमा का अधिकतम तापमान 29 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान गिरकर 16 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। दिन में उत्तर-पश्चिमी ठंडी हवाएं चलने के कारण धूप का असर कम रहा और मौसम सुहावना बना रहा। शाम होते ही तापमान में तेजी से गिरावट आई और लोगों को हल्के ऊनी कपड़ों का सहारा लेना पड़ा। लोगों को दशहरे की रात से गुलाबी ठंड का एहसास होना शुरू हुआ लोगों ने गर्म कपड़े भी निकाल लिए हैं। वही कपड़े की दुकानों मे पहुंचकर लोगों ने गर्म कपड़ों की खरीददारी करनी शुरू कर दी है। मौसम विज्ञानियों के अनुसार, रविवार और सोमवार को भी रात का पारा 16 से 17 डिग्री के आसपास बने रहने की संभावना है। हालांकि, आगामी 28 और 29 अक्टूबर बुधवार और गुरुवार के आसपास क्षेत्र में आंशिक रूप से बादल छाने और हल्की बौछारें पड़ने का अनुमान जताया गया है, जिससे आने वाले दिनों में ठंड और अधिक पैर पसारेगी। ग्रामीण व खुले इलाकों में अलसुबह हल्की धुंध भी देखी जा रही है।

बोरियों में रखे बिना लेबल वाले मसाले कराए नष्ट

कटनी। नागरिकों को शुद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण खाद्य सामग्री उपलब्ध कराने के कलेक्टर आशीष तिवारी द्वारा दिये गये निर्देश के पालन में राजस्व और खाद्य सुरक्षा विभाग की संयुक्त टीम ने शुक्रवार को इमलिया स्थित नितिन ट्रेडर्स फैक्ट्री का निरीक्षण किया। जांच के दौरान फैक्ट्री में खाद्य सुरक्षा मानकों से संबंधित कई गंभीर अनियमितताएं पाई गईं।निरीक्षण के दौरान फैक्ट्री में कार्यरत कर्मचारी एप्रन, ग्लव्स सहित आवश्यक सुरक्षा उपकरणों का उपयोग करते नहीं पाए गए। साथ ही, कर्मचारियों का स्वास्थ्य परीक्षण भी नहीं कराया गया था। खाद्य पदार्थों के निर्माण में इस्तेमाल किए जा रहे तेल और पैकेट पर अंकित जानकारी में भी अंतर पाया गया। मौके पर खाद्य पदार्थों को राइस ब्रान ऑयल में फ्राई किया जा रहा था, जबकि लेबल पर पाम ऑयल का उपयोग अंकित था। इसके अलावा, निर्मित खाद्य पदार्थों की जांच नियमानुसार एनएबीएल से मान्यता प्राप्त प्रयोगशाला से नहीं कराई गई थी। जांच के दौरान फैक्ट्री के गोदाम में 25-25 किलोग्राम की 12 बोरियों में रखे मिक्स मसाले मिले। इन बोरियों पर मैन्युफैक्चरिंग डेट, बैच नंबर, निर्माता फर्म का नाम और एफएसएसएआई लाइसेंस नंबर जैसी आवश्यक जानकारियां अंकित नहीं थीं। खाद्य सुरक्षा मानकों के अनुरूप आवश्यक विवरण नहीं होने के कारण टीम ने मौके पर ही इन मसालों का विनष्टीकरण कराया।

भव्य शोभायात्रा में गूंजे माता के जयकारे देर रात तक उमड़ा श्रद्धालुओं का हुजूम







मन्नत बाली काली माता के विसर्जन में उमड़ा जनसैलाब

बुढ़ार। शुक्रवार की देर शाम सिंधी बाजार में स्थापित मां मन्नत बाली काली माता की विसर्जन यात्रा में श्रद्धा और उत्साह का अद्भुत सैलाब उमड़ पड़ा। मां काली के अंतिम दर्शन और उनका आशीर्वाद प्राप्त करने के लिए नगर सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे। भक्तिमय माहौल के बीच निकाली गई मां काली की इस विशाल शोभायात्रा ने पूरे नगर को भक्ति-रस से सराबोर कर दिया, जो देर रात तक प्रमुख मार्गों से होकर गुजरी।

प्रमुख मार्गों से गुजरी शोभायात्रा

पारंपरिक और भव्य विसर्जन यात्रा सिंधी बाजार से प्रारंभ हुई। इसके बाद यह यात्रा नगर पालिका चौराहा, कॉलेज तिराहा, लोहिया चौक, जैतपुर चौराहा एवं विश्राम गृह होते हुए मारुति नंदन बाईपास तक पहुंची। अंत में मां काली की प्रतिमा को विसर्जन के लिए जरवाही स्थित सोन नदी के लिए रवाना किया गया।

जगह-जगह हुआ भव्य स्वागत और सांस्कृतिक उल्लास

यात्रा के दौरान नगर के विभिन्न स्थानों पर श्रद्धालुओं द्वारा माता का भव्य स्वागत किया गया। मां की एक झलक पाने के लिए मार्ग के दोनों ओर भारी भीड़ जमा रही। श्रद्धालुओं ने विधि-विधान से पूजा-अर्चना की और गगनभेदी जयकारों से पूरे वातावरण को गुंजायमान कर दिया। इस पूरी विसर्जन यात्रा में सजी भव्य काली माता की झांकी मुख्य आकर्षण का केंद्र रही। वहीं, डीजे की धार्मिक धुनों पर युवाओं के साथ-साथ माताओं और बहनों ने भी उत्साहपूर्वक सहभागिता की। यात्रा के दौरान हर आयु वर्ग के लोगों में विशेष उत्साह देखने को मिला।

सुरक्षा के रहे पुख्ता इंतजाम

विसर्जन यात्रा में उमड़ी अपार भीड़ और कानून-व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए पुलिस प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद नजर आया। नगर निरीक्षक खेम सिंह प्रेंद्रो के नेतृत्व में पुलिस टीम एवं पर्याप्त पुलिस बल तैनात किया गया था। पुलिस जवानों ने सभी प्रमुख चौराहों और मार्गों पर यातायात नियंत्रित करते हुए यात्रा को शांतिपूर्ण और व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने में अहम भूमिका निभाई।

खबर संक्षेप

मजदूरों से भरी पिकअप पलटी, 37 घायल, 16 की हालत गंभीर

कटनी। कटनी जिले के ग्रामीण मजदूरों से भरी एक पिकअप अनियंत्रित होकर पलट गया। इस दर्दनाक हादसे में करीब 37 मजदूर घायल हो गए हैं, और इनमें से 16 मजदूरों की हालत बेहद गंभीर बनी हुई है। जानकारी के अनुसार कटनी जिले के बाधा इमलाज गांव के रहने वाले ये सभी मजदूर छतरपुर में मूंगफली की फसल निकालने (काटने) के लिए जा रहे थे। यात्रा के दौरान देवरा गांव के पास वाहन चालक ने पिकअप पर से अपना नियंत्रण खो दिया, जिसके कारण यह दुर्घटना घटी। शुरुआती जानकारी में ड्राइवर के शराब के नशे में होने की आशंका जताई जा रही है, हालांकि पुलिस द्वारा इसकी आधिकारिक पुष्टि अभी नहीं की गई है। घटना की सूचना मिलते ही डायल 112 और स्थानीय पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और घायलों को अस्पताल पहुंचाया। सभी घायलों को पहले बिजावर अस्पताल ले जाया गया, जहां से गंभीर हालत को देखते हुए उन्हें छतरपुर जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। घायलों में शिवा कुमार आदिवासी (14), राधा आदिवासी (20), गयाबाई, सीताबाई, अमियाबाई, संजना, संगीता, पानबाई, नंदनी, लल्लेबाई, राजा, रतनलाल, शिवनंदन, सुरेश, गेंदा और कन्हैया शामिल हैं। इनमें 14 वर्षीय शिवा कुमार को गंभीर चोटें आई हैं। पुलिस मामले की आगे की जांच में जुटी हुई है।

धरा गया सटोरिया, 820 रूपये नकदी किये जब्त

कटनी। उमरियापान पुलिस ने जुए और सट्टे के अवैध कारोबार के खिलाफ कार्रवाई करते हुए एक व्यक्ति को सट्टा-पट्टी लिखते हुए रंगे हाथों पकड़ा है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से नकदी, मोबाइल फोन और सट्टा सामग्री जब्त कर ली है। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार, उमरिया पान क्षेत्र में अवैध गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत पुलिस ने यह कार्रवाई की। पुलिस ने मौके से आरोपी आशीष 40 वर्ष, निवासी उमरिया पान एवं एक अन्य व्यक्ति मंझल उर्फ अशोक को संदिग्ध गतिविधियों के दायरे में लिया। छापेमारी के दौरान आरोपी के पास से एक कॉपी जिसमें सट्टा-पट्टी के अंक लिखे हुए थे, एक पेन, एक मोबाइल फोन और अवैध कारोबार से जुड़े 820 रुपये नगद बरामद किए गए।पुलिस ने इस मामले में आरोपी के विरुद्ध जुआ एक्ट की धारा 4 क एवं बीएनएस (BNS) की सुसंगत धाराओं के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर लिया है।

प्रतिभा किरण योजना का लाभ लेने 28 तक आवेदन

कटनी। शैक्षणिक सत्र 2025-26 में छात्रवृत्ति से वंचित शहरी क्षेत्र की पात्र छात्राएं प्रतिभा किरण योजना का लाभ लेने के लिए 28 अक्टूबर तक ऑनलाइन आवेदन कर सकती हैं। प्रतिभा किरण योजना का उद्देश्य पात्र छात्राओं को उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए आर्थिक सहायता उपलब्ध कराना है। योजना के अंतर्गत पात्र छात्राएं स्कॉलरशिप पोर्टल 2.0 के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन कर सकती हैं। योजना की पात्रता एवं अन्य आवश्यक जानकारी के लिए छात्राएं उच्च शिक्षा विभाग, मध्यप्रदेश की आधिकारिक वेबसाइट ₹उच्च शिक्षा विभाग, मध्यप्रदेश₹ highered-ucation.mp.gov.in /पर जानकारी प्राप्त कर सकती हैं। उच्च शिक्षा विभाग ने पात्र छात्राओं से अपील की है कि वे निर्धारित समय-सीमा का ध्यान रखते हुए अंतिम तिथि से पहले अपना आवेदन सुनिश्चित करें।

घर बैठे खोज सकेंगे कुशल-अकुशल श्रमिक

कटनी। श्रमिकों को रोजगार के बेहतर अवसर उपलब्ध कराने और श्रमिकों एवं नियोजकों के बीच सीधा संपर्क स्थापित करने के उद्देश्य से श्रम विभाग द्वारा 'डिजिटल लेबर चौक' मोबाइल ऐप शुरू किया गया है। इस ऐप के माध्यम से जिले के कुशल एवं अकुशल श्रमिक और काम देने वाले नागरिक एक ही डिजिटल मंच पर जुड़कर अपनी आवश्यकता के अनुसार रोजगार एवं श्रमिकों की तलाश कर सकेंगे।



दो बाइक की आमने सामने टक्कर दो साल की बच्ची सहित पांच घायल



गाड़ासरई

गाड़ासरई थाना अंतर्गत शनिवार की शाम सुनपुरी के गोदाम के पास दो बाइक सवार की आमने सामने भिड़ंत हो गई जिसमे दोनों बाइक के लोग घायल हो गए। जिसकी सूचना 112 डायल को दी गई। 112 वाहन व एक ऑटो और पिकअप की मदद से गाड़ासरई प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र लाया गया घायल में गणेश पिता रत्न लाल 35 वर्ष का पैर फैक्चर हो गया वही पटीकों बाई पति गणेश ,प्रभा पिता गणेश उम्र 14 वर्ष को पैर में चोट आई हैं प्रतिभा पिता गणेश नंदा ग्राम मझियाखार को चोट आई हैं प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र में उपचार के बाद चारों लोगों को डिंडौरी रैफर किया गया है वही दुर्घटना में दो साल की बच्ची के पैर में चोट आई हैं गाड़ासरई पुलिस अस्पताल पहुंचकर मामले की जाँच में जुट गई।

इंसानियत, प्रेम और भाईचारे से ही बनेगा आदर्श समाज जिला न्यायाधीश हिदायत उल्ला खान

असत्य पर सत्य की विजय का प्रतीक है दशहरा - जय सिंह मरावी





बुढ़ार।धनपुरी विजयादशमी के पावन अवसर पर धनपुरी के कैंप नंबर-1 स्थित यज्ञ स्थल पर नवदुर्गोत्सव समिति के तत्वावधान में भव्य देवी जागरण एवं भजन संध्या का आयोजन किया गया। जैतपुर विधायक एवं पूर्व मंत्री जयसिंह मरावी के मुख्य आतिथ्य और जिला न्यायाधीश हिदायत उल्ला खान की अध्यक्षता में आयोजित यह समारोह भक्ति, संस्कृति, सामाजिक एकता और सांप्रदायिक सद्भाव का अनुपम संगम बना। ख्यातिप्राप्त भजन गायिका इशरत जहां की प्रस्तुतियों ने श्रद्धालुओं को भावविभोर किया, वहीं अतिथियों के उद्बोधन ने सत्य, न्याय और इंसानियत का संदेश दिया। आयोजन समिति के समर्पण और धनपुरी पुलिस की नौ दिनों तक रही मुस्तैदी ने भी विशेष सराहना प्राप्त की।

कार्यक्रम अध्यक्ष जिला न्यायाधीश हिदायत उल्ला खान ने कहा कि दशहरा पर्व अपने भीतर के अहंकार, ईर्ष्या, घृणा, भेदभाव और अन्याय को समाप्त करने के संकल्प का भी अवसर है। भगवान श्रीराम का जीवन हमें सत्य, न्याय, मर्यादा और कर्तव्यनिष्ठा की राह दिखाता है।

उन्होंने कहा कि धर्म का वास्तविक उद्देश्य मानव को मानव से जोड़ना है जरूरतमंद की सहायता करना, दुखी के आंसू पोंछना और प्रत्येक व्यक्ति के अधिकारों का सम्मान करना ही इंसानियत की सच्ची पहचान है।

जिला न्यायाधीश श्री खान ने भारतीय संस्कृति और गंगा-जमुनी तहजीब का उल्लेख करते हुए कहा कि विविधता में एकता हमारी सभ्यता की सबसे बड़ी खूबसूरती है। आयोजन समिति अध्यक्ष दीपक मांझी 'लालू' एवं उनकी टीम को सफल आयोजन के लिए बधाई देते हुए नागरिकों से सदाचार और सामाजिक एकता के मार्ग पर चलने का आह्वान किया।

उन्होंने कहा कि हर धर्म प्रेम और सद्भाव का सेतु है और आदर्श समाज वही है, जहां व्यक्ति का मूल्यांकन जाति, धर्म या आर्थिक स्थिति से नहीं, बल्कि उसके चरित्र, कर्म और मानवीय गुणों से किया जाए।

मुख्य अतिथि विधायक जयसिंह मरावी ने कहा कि दशहरा केवल असत्य पर सत्य की विजय का पर्व नहीं, बल्कि अपने भीतर के अहंकार, अन्याय और बुराइयों को समाप्त करने की प्रेरणा भी है। भगवान श्रीराम का जीवन सत्य, मर्यादा, वचनपालन और कर्तव्यनिष्ठा का आदर्श प्रस्तुत करता है।

उन्होंने कहा कि धार्मिक एवं सांस्कृतिक आयोजन हमारी परंपराओं को जीवंत रखने के साथ समाज को एकता के सूत्र में बांधते हैं।

भजन और संगीत ने बांधा समां, जिला न्यायाधीश ने किया सम्मानित

समारोह में जिला न्यायाधीश हिदायत उल्ला खान ने स्वरचित भजन "मैली चादर छोड़ के फिर मैं द्वार तुम्हारे आऊं"..की भावपूर्ण प्रस्तुति देकर आत्मचिंतन, अंतर्मन की पवित्रता और सदाचार का संदेश दिया। उनकी साहित्यिक एवं आध्यात्मिक अभिव्यक्ति को उपस्थित श्रद्धालुओं ने सराहा।

मुंबई से आए कलाकारों और भजन गायिका इशरत जहां ने 'जब अंगना पधारो महारानी' सहित अन्य भक्तिमय प्रस्तुतियों से वातावरण को भक्तिरस में सराबोर कर दिया। हनुमानजी पर आधारित भजन और आकर्षक मंचीय प्रस्तुतियों ने भी खूब तालियां बटोरीं। देर रात तक श्रद्धालु भक्ति में लीन रहे।

आयोजन की सफलता से अभिभूत जिला न्यायाधीश हिदायत उल्ला खान ने समिति अध्यक्ष दीपक मांझी 'लालू' एवं उनकी टीम के सदस्यों को समर्पण, परिश्रम और उत्कृष्ट आयोजन के लिए मेडल प्रदान कर सम्मानित किया। सम्मानित होने वालों में आदित्य उपाध्याय, प्रांशु, सुरेश लोधी, दीपक विश्वकर्मा और राम दुबे सहित अन्य सहयोगी शामिल रहे।

नौ दिनों तक धनपुरी नगर निरीक्षक विनय सिंह गहरवार की मुस्तैदी सराहनीय

नवरात्रि के दौरान श्रद्धालुओं की भारी आवाजाही और देर रात तक चले आयोजनों के बीच धनपुरी थाना पुलिस ने सुरक्षा, कानून-व्यवस्था और यातायात को सुचारु बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। पुलिस की सतत निगरानी और मुस्तैदी से धार्मिक कार्यक्रम शांतिपूर्ण एवं व्यवस्थित ढंग से संपन्न हुए।

समारोह में नगर पालिका परिषद धनपुरी की अध्यक्ष श्रीमती रविंद्र कौर छाबड़ा, उपाध्यक्ष हनुमान प्रसाद खंडेलवाल,बुढार नगर परिषद की अध्यक्ष श्रीमती शालिनी सरावगी, तहसीलदार मनोज कुमार सिंह,नगर निरीक्षक विनय सिंह गहरवार, पूर्व मुख्य नगर पालिका अधिकारी रविकरण त्रिपाठी दौलत मनमानी, अजय शर्मा, आनंद मोहन जायसवाल, कैलाश विशनानी, राजकुमार सरावगी, बलमीत सिंह खनूजा, सुजीत सिंह चंदेल एसपी सिंह, रविकांत उपाध्याय, अंशिका विश्वकर्मा, अरविंद सिंह, स्कंद सोनी योगेंद्र सिंह परिहार,पुष्पराज सिंह पंखुड़ी, जितेंद्र सिंह अजय सिंह, अरविंद नायक, ऋषि जैन,पुष्पेंद्र ताम्रकार, अरविंद सिंह, बलभद्र सिंह, सहित अनेक जनप्रतिनिधि, समाजसेवी, गणमान्य नागरिक और पत्रकार उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन अजय द्विवेदी ने किया तथा आभार दीपक मांझी 'लालू' ने व्यक्त किया। देवी जागरण एवं भजन संध्या के समापन के पश्चात रावण के पुतले का दहन किया गया।

स्वामित्व योजना में उत्कृष्ट प्रदर्शन पर पटवारी वसीम कुरैशी को कलेक्टर ने सम्मानित किया



गाड़ासरई। मध्य प्रदेश शासन द्वारा आमजन को उनकी संपत्ति का कानूनी मालिकाना हक प्रदान करने और राजस्व प्रक्रियाओं को सुगम बनाने के लिए निरंतर सघन प्रयास किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में डिंडौरी जिले में उत्कृष्ट और अनुकरणीय कार्य करने वाले राजस्व अधिकारियों और मैदानी अमले को प्रोत्साहित करने एक विशेष सम्मान कार्यक्रम आयोजित किया गया।जिसमें जिले की बजाग तहसील में पदस्थ पटवारी श्री वसीम कुरैशी ने अपने दायित्वों का निष्ठापूर्वक निर्वहन करते हुए 100 से अधिक रजिस्ट्रियां सफलतापूर्वक पूर्ण कर एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है। पटवारी वसीम कुरैशी की इस उत्कृष्ट कार्यशैली, तत्परता और जनसेवा के प्रति समर्पण को देखते हुए कलेक्टर श्रीमती अंजू पवन भदौरिया ने शुक्रवार को कलेक्टर ऑफिस में उन्हें आधिकारिक प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया, इस दौरान एसडीएम श्री राम बाबू देवांगन ने भी पटवारी को बधाई एवं शुभकामनाएं दी।उत्कृष्ट कार्य प्रदर्शन पर मिला जिला स्तरीय प्रशासनिक सम्मानराजस्व प्रकरणों के त्वरित, पारदर्शी और समयबद्ध निष्पादन को लेकर जिला प्रशासन द्वारा विशेष प्राथमिकता दी जा रही है। बजाग तहसील के पटवारी श्री वसीम कुरैशी ने अपने हल्का क्षेत्र में शत-प्रतिशत लक्ष्य हासिल करते हुए 100 से अधिक पात्र हितग्राहियों के अधिकार अभिलेख, ई-केवाईसी और रजिस्ट्री से जुड़े जटिल कार्यों को रिकॉर्ड समय में पूरा किया।मुख्यमंत्री जनविश्वास अभियान शिविर में सांसकलेक्टर श्रीमती अंजू पवन भदौरिया ने सम्मान समारोह के दौरान उनके प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे कर्मठ और समर्पित कर्मचारियों के बल पर ही शासकीय योजनाओं का वास्तविक लाभ अंतिम छोर पर खड़े नागरिक तक सुगमता से पहुँच पाता है। उन्होंने वसीम कुरैशी को भविष्य में भी इसी ऊर्जा और पारदर्शिता के साथ जनसेवा करने के लिए प्रेरित किया।आम नागरिकों को मिला मालिकाना हक, बढ़ी प्रशासनिक दक्षताप्रशासनिक अधिकारियों ने बताया कि ग्रामीण क्षेत्रों में संपत्ति से जुड़े अभिलेखों का समय पर संधारण होना ग्रामीणों के आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में एक बड़ा कदम है। 100 रजिस्ट्रियां पूर्ण होने से संबंधित परिवारों को अपनी भूमि व मकान का वैधानिक दस्तावेज प्राप्त हुआ है, जिससे वे बैंकिंग सेवाओं और अन्य सरकारी सुविधाओं से आसानी से जुड़ सकेंगे। बजाग तहसील में दर्ज हुई इस उपलब्धि से पूरे जिले के राजस्व आंकड़ों में उल्लेखनीय सुधार दर्ज किया गया है।मैदानी अमले में उत्साह का माहौलकलेक्टर महोदया द्वारा पटवारी वसीम कुरैशी को मिले इस सम्मान से बजाग तहसील सहित पूरे डिंडौरी जिले के राजस्व एवं मैदानी कर्मचारियों में भारी उत्साह और हर्ष व्याप्त है। साथी कर्मचारियों एवं अधिकारियों ने उन्हें बधाई देते हुए कहा कि मैदानी स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले सहयोगियों का ऐसा सम्मान पूरे विभाग का मनोबल बढ़ाता है और सभी को अधिक लगन से कार्य करने की प्रेरणा देता है।

आरएफआईडी टैग अनिवार्य, नियम नहीं मानने पर होगी सख्त कार्यवाही

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

जिले में खनिज पदार्थों के परिवहन को पूर्णतः पारदर्शी बनाने एवं अवैध परिवहन पर प्रभावी अंकुश लगाने के उद्देश्य से खनिज विभाग द्वारा एक बड़ा एवं कड़ा कदम उठाया गया है। जिले में खनिज का परिवहन करने वाले सभी वाहनों पर आरएफआईडी टैग लगाना अनिवार्य कर दिया गया है।अभियान के तहत त्वरित कार्रवाई करते हुए विभाग द्वारा मात्र दो दिनों के भीतर 300 से अधिक वाहनों पर आरएफआईडी टैग तैयार कराकर चिपकाए जा चुके हैं।

टैग लगवाना अनिवार्य

खनिज विभाग द्वारा जिले के समस्त खनन पट्टाधारकों, खनिज भंडारणकर्ताओं एवं खनिज परिवहनकर्ताओं को स्पष्ट निर्देश जारी किए गए हैं कि वे एक सप्ताह की समय-सीमा के भीतर अपने-अपने वाहनों में अनिवार्य रूप से आरएफआईडी टैग लगवा लें। विभाग ने चेतावनी दी है कि दी गई समयावधि के बाद यदि कोई भी वाहन बिना आरएफआईडी टैग के खनिज का परिवहन करते पाया जाता है, तो उसे 'अवैध परिवहन' माना जाएगा

पट्टे की जमीन को लेकर बैगा परिवार ने प्रशासन से लगाई न्याय की गुहार

शहडोल। जनपद पंचायत जयसिंहनगर की ग्राम पंचायत कर्की के वार्ड क्रमांक-3 निवासी झल्लू पिता कृपालिया बैगा ने भूमि एवं मकान से जुड़े मामले को लेकर प्रशासन से न्याय की गुहार लगाई है। झल्लू बैगा के अनुसार वह संबंधित भूमि पर करीब 40 वर्षों से मकान बनाकर निवास कर रहे हैं तथा शासन की ओर से उन्हें 40 आरे भूमि का पट्टा प्राप्त है।

बताया गया है कि मामला खसरा नंबर 12 से 16/12 से संबंधित है। झल्लू बैगा के अनुसार उक्त भूमि के संबंध में विभागीय अनुविभागीय अधिकारी द्वारा पट्टा स्वीकृत किया गया था। बाद में इसी भूमि को लेकर ददिया पिता मोघला एवं मनबोधा पिता गोरिया, तहसील जयसिंहनगर की ओर से आपत्ति/अपील की गई। आवेदक का कहना है कि अपील के बाद भी एसडीएम स्तर से पूर्व आदेश को मंजूरी दी गई। इसके पश्चात भूमि खाली कराने के संबंध में तहसील कार्यालय में आवेदन दिए जाने की जानकारी भी आवेदक द्वारा दी गई है। झल्लू बैगा के मुताबिक उन्होंने मामले को लेकर जिला प्रशासन के समक्ष भी आवेदन प्रस्तुत किया। वहां से उन्हें संबंधित अनुभागीय अधिकारी से संपर्क करने के लिए कहा गया। आवेदक का कहना है कि जयसिंहनगर में अधिकारियों से संपर्क करने के बाद भी उन्हें मामले के समाधान को लेकर स्पष्ट राहत नहीं मिल सकी।

प्रशासन से दस्तावेजों की जांच की मांग

झल्लू बैगा ने मीडिया के माध्यम से शासन-प्रशासन का ध्यान मामले की ओर आकर्षित करते हुए संबंधित दस्तावेजों एवं राजस्व अभिलेखों की जांच कर उचित कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने कहा कि लंबे समय से परिवार के निवास और शासन द्वारा जारी पट्टे से जुड़े दस्तावेजों को ध्यान में रखते हुए मामले का निष्पक्ष निराकरण किया जाए। भूमि संबंधी विवाद में वास्तविक स्थिति संबंधित राजस्व अभिलेखों, पट्टा आदेश और सक्षम अधिकारियों के आदेशों की जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगी। आवेदक ने शासन से पूरे मामले की जांच कर नियमानुसार उचित निर्णय लेने की मांग की है।

खबर संक्षेप

डीवीएम पब्लिक स्कूल में रंगोली प्रतियोगिता, विद्यार्थियों ने दिखाई कलात्मक प्रतिभा



अनूपपुर। डीवीएम पब्लिक स्कूल अनूपपुर में रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए अपनी रचनात्मकता और कलात्मक प्रतिभा का सुंदर प्रदर्शन किया। विद्यार्थियों द्वारा विभिन्न रंगों के उपयोग से बनाई गई आकर्षक एवं मनमोहक रंगोलियों से विद्यालय परिसर रंग-बिरंगा नजर आया। प्रतियोगिता के दौरान विद्यार्थियों ने अपनी कल्पनाशीलता और कला कौशल का परिचय देते हुए एक से बढ़कर एक रंगोलियां बनाईं। उनकी कलात्मक अभिव्यक्ति ने परिसर को आकर्षक स्वरूप प्रदान किया। इस अवसर पर विद्यालय की प्राचार्य श्रीमती सुशीला कुलवंत सहित शिक्षक-शिक्षिकाएं एवं अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे। प्राचार्य श्रीमती कुलवंत ने विद्यार्थियों की प्रतिभा की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार की प्रतियोगिताएं बच्चों में रचनात्मकता, आत्मविश्वास और कलात्मक कौशल का विकास करती हैं। साथ ही, उन्हें अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर भी मिलता है। विद्यालय में आयोजित इस प्रतियोगिता ने विद्यार्थियों को अपनी कला और कल्पनाशीलता को सामने लाने के लिए एक बेहतर मंच प्रदान किया।

वनरक्षक के दूसरे चरण में 31 अभ्यर्थी शामिल छह रहे अनुपस्थित

अनूपपुर। वनरक्षक एवं क्षेत्ररक्षक भर्ती के दूसरे चरण में अनूपपुर वनमंडल के अंतर्गत कुल 37 अभ्यर्थियों में से 31 उपस्थित हुए, जबकि छह अभ्यर्थी अनुपस्थित रहे। वन मुख्यालय भोपाल के निर्देशानुसार 23 और 24 अक्टूबर को प्रक्रिया संपन्न कराई गई। 23 अक्टूबर को अभ्यर्थियों के अभिलेखों का परीक्षण और शारीरिक माप किया गया। इसके बाद 24 अक्टूबर को सुबह छह बजे पैदल चाल परीक्षा शुरू हुई। इसमें पुरुष अभ्यर्थियों के लिए 25 किलोमीटर और महिला अभ्यर्थियों के लिए 14 किलोमीटर की दूरी निर्धारित की गई थी। परीक्षा नवीन वनमंडल कार्यालय, सीतापुर (अनूपपुर) से प्रारंभ होकर राष्ट्रीय राजमार्ग-43 पर जल्दाटोला के समीप तक आयोजित की गई। अभ्यर्थियों ने निर्धारित समय सुबह 10 बजे से पहले अपनी पैदल चाल पूरी की। भत प्रक्रिया में सीधी भत के 35 अभ्यर्थियों में से 30 तथा अनुकंपा नियुक्ति के दो अभ्यर्थियों में से एक उपस्थित रहा। इस प्रकार कुल 31 अभ्यर्थियों ने दूसरे चरण की प्रक्रिया में भाग लिया। इस अवसर पर वनमंडलाधिकारी अनूपपुर डेविड बेंकटराव चनाप, एसडीओ वन राजेंद्रग्राम जसवंत सिंह मीना, एसडीओ वन विद्यालय अमरकंटक सुरेश भलावी तथा वन परिक्षेत्र अधिकारी अनूपपुर स्वर्ण गौरव सिंह, जैतहरी विवेक मिश्रा, कोतमा दशरथ प्रसाद प्रजापति, बिजुरी पवन कुमार ताम्रकार, राजेंद्रग्राम शिवम कोष्टी, अमरकंटक वीरेंद्र कुमार श्रीवास्तव और अहिरगवां सिद्धार्थ तिवारी उपस्थित रहे। इसके अलावा उपवन क्षेत्रपाल विजय कुमार सोनवानी, रिचर्ड रेगी राव, राजू केवट एवं सत्यदेव सिंह लोनिया सहित वनपाल, वनरक्षक और अन्य कर्मचारी भी भत प्रक्रिया के संचालन में उपस्थित रहे।

आदेश जारी, 1500 रुपये देने का आरोप

8 माह से नामांतरण के लिए भटक रहा ग्रामीण

फुनगा हल्का पटवारी पर पैसे लेने के बाद भी काम नहीं करने की शिकायत

सक्षम अधिकारी के आदेश के बावजूद नामांतरण लंबित, पीड़ति ने कलेक्टर से लगाई गुहार



अनूपपुर। सरकारी दफ्तरों में आम आदमी का काम आखिर कितने चक्कर लगाने के बाद होगा? सक्षम अधिकारी का आदेश होने के बावजूद यदि किसी ग्रामीण को महीनों तक भूमि नामांतरण के लिए भटकना पड़े और काम कराने के एवज में पैसे मांगने व लेने का आरोप भी सामने आए, तो राजस्व व्यवस्था की कार्यप्रणाली पर सवाल उठना लाजिमी है। अनूपपुर तहसील के ग्राम फुनगा में ऐसा ही मामला सामने आया है। ग्राम कर्राटोला निवासी चोखेलाल सिंह ने हल्का पटवारी दीनदयाल टांडिया पर नामांतरण के लिए 1500 रुपये मांगने और राशि देने के बावजूद काम नहीं करने का आरोप लगाया है। आवेदक ने 23 अक्टूबर 2026 को कलेक्टर अनूपपुर को लिखित शिकायत सौंपकर मामले की जांच, भूमि का नामांतरण और संबंधित पटवारी के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की मांग की है।

अधिकारी का आदेश भी बेअसर, आखिर क्यों लंबित है नामांतरण?

शिकायत के मुताबिक, ग्राम फुनगा की खसरा क्रमांक 82/1/2/2, रकबा 0.680 हेक्टेयर भूमि के रिकॉर्ड सुधार के लिए प्रकरण क्रमांक 0243/अ-6अ/2025-26 में अनुविभागीय अधिकारी अनूपपुर ने 5 फरवरी 2026 को आदेश जारी किया था। आवेदक का कहना है कि आदेश की सत्यापित प्रति संबंधित हल्का पटवारी को उपलब्ध करा दी गई थी, लेकिन इसके बावजूद नामांतरण की प्रक्रिया पूरी नहीं की गई। यहां सबसे बड़ा सवाल यही है कि जब भूमि संबंधी रिकॉर्ड सुधार के लिए सक्षम अधिकारी आदेश जारी कर चुका था, तो उसके पालन में देरी क्यों हुई? क्या आदेश के बाद भी संबंधित राजस्व कर्मचारी की ओर से आवश्यक कार्रवाई नहीं की गई? यदि कोई तकनीकी या प्रक्रियागत बाधा थी, तो आवेदक को इसकी स्पष्ट जानकारी दी गई या नहीं? इन सवालों का जवाब जांच के बाद ही सामने आएगा, लेकिन शिकायत ने राजस्व विभाग की कार्यप्रणाली को सवालों के घेरे में ला दिया है।

1500 रुपये देने का आरोप, फिर भी नहीं हुआ काम

चोखेलाल सिंह ने अपनी शिकायत में आरोप लगाया है कि नामांतरण के लिए हल्का पटवारी ने उनसे 1500 रुपये की मांग की थी। आवेदक के मुताबिक, उसने कथित तौर पर राशि दे भी दी, लेकिन इसके बाद भी उसका काम पूरा नहीं हुआ। जब उसने बार-बार नामांतरण की स्थिति जानने का प्रयास किया, तो उसे काम लंबित होने की जानकारी मिली। शिकायत में यह भी आरोप लगाया गया है कि पटवारी ने दोबारा पैसे देने पर ही काम होने की बात कही। यदि शिकायतकर्ता के आरोप सही पाए जाते हैं, तो मामला केवल नामांतरण में देरी तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि राजस्व कार्यों में कथित अनियमितता और जवाबदेही का गंभीर प्रश्न भी खड़ा होगा। हालांकि, राशि मांगने और लेने के आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है। इसलिए आवश्यक है कि प्रशासन संबंधित पक्ष का बयान लेकर शिकायत में बताए गए तथ्यों की निष्पक्ष जांच कराए और वास्तविक स्थिति स्पष्ट करे।

आठ महीने से परेशानी, सरकारी व्यवस्था से उठे सवाल

आवेदक का कहना है कि वह पिछले आठ महीने से अपने भूमि संबंधी कार्य को लेकर परेशान है। भूमि के रिकॉर्ड से जुड़ा काम पूरा नहीं होने के कारण उसे बार-बार जानकारी लेने और कार्यालय के चक्कर लगाने पड़ रहे हैं। ऐसे मामलों में ग्रामीणों को न केवल समय गंवाना पड़ता है, बल्कि उन्हें मानसिक परेशानी का भी सामना करना पड़ता है।



भूमि संबंधी प्रकरणों में राजस्व अभिलेखों का सही और समय पर अद्यतन होना महत्वपूर्ण है। ऐसे में यदि किसी प्रकरण में आदेश जारी होने के बाद भी कार्रवाई लंबित रहती है, तो संबंधित स्तर पर देरी के कारणों की समीक्षा जरूरी हो जाती है। साथ ही, यदि कोई शिकायतकर्ता पैसे मांगने का आरोप लगाता है, तो उसकी जांच केवल औपचारिकता बनकर नहीं रहनी चाहिए। शिकायत में लगाए गए आरोपों की पुष्टि साक्ष्यों और संबंधित अभिलेखों के आधार पर की जानी चाहिए।

कलेक्टर से नामांतरण और कार्रवाई की मांग

चोखेलाल सिंह ने 23 अक्टूबर को कलेक्टर अनूपपुर के समक्ष आवेदन देकर भूमि का नामांतरण कराने तथा खसरा उपलब्ध कराने की मांग की है। इसके साथ ही उसने संबंधित पटवारी की भूमिका की जांच कर नियमानुसार कार्रवाई करने का अनुरोध किया है। आवेदन के साथ रिकॉर्ड सुधार प्रकरण के आदेश की छायाप्रति संलग्न किए जाने का उल्लेख भी किया गया है। अब जिला प्रशासन के सामने दो प्रमुख बिंदु हैं पहला, सक्षम अधिकारी के आदेश के बावजूद नामांतरण की प्रक्रिया लंबित रहने के कारणों का पता लगाना और दूसरा, पैसे मांगने व लेने के आरोपों की निष्पक्ष जांच करना। संबंधित प्रकरण की स्थिति, आदेश के अनुपालन और पटवारी की भूमिका की जांच से ही स्पष्ट हो सकेगा कि देरी के पीछे वास्तविक वजह क्या है।

जिम्मेदार कौन, आदेश का पालन होगा या ग्रामीण यूं ही भटकता रहेगा?

एक तरफ सक्षम अधिकारी का आदेश, दूसरी तरफ आठ महीने से परेशान ग्रामीण और तीसरी तरफ 1500 रुपये मांगने व लेने का आरोप। इन परिस्थितियों में प्रशासन की जवाबदेही तय होना जरूरी है। क्या संबंधित राजस्व कर्मचारी से स्पष्टीकरण मांगा जाएगा? क्या आदेश के पालन में हुई देरी की जांच होगी? क्या कथित लेन-देन के आरोपों की भी पड़ताल की जाएगी? फिलहाल ये सवाल शिकायत के साथ प्रशासन के सामने हैं। ग्रामीण ने अपनी फरियाद कलेक्टर तक पहुंचा दी है। अब देखना होगा कि मामले में समयबद्ध जांच कर वास्तविकता सामने लाई जाती है या शिकायत भी अन्य आवेदनों की तरह कार्रवाई की प्रतीक्षा में रह जाती है। पीड़ति को राहत दिलाने के साथ-साथ आरोपों की निष्पक्ष जांच करना ही इस मामले में प्रशासन की जवाबदेही की असली कसौटी होगी।

अजगर ने किया अजगर का शिकार, निगल गया आधा शरीर

रसल वाइपर के डंसने से 13 वर्षीय बालक सहित दो घायल

सर्प प्रहरियों ने तीन दिन में 15 से अधिक सांपों का किया रेस्क्यू



अनूपपुर। जिले में वन्यजीवों की अनोखी गतिविधियों के बीच जहरीले सांपों के डंसने की घटनाएं भी सामने आई हैं। ग्राम जमुडी के पटपरहा टोला में एक विशालकाय अजगर ने अपने से छोटे अजगर का शिकार कर उसे निगल लिया। वहीं, रसल वाइपर के डंसने से 13 वर्षीय बालक सहित दो लोग घायल हो गए। दोनों का जिला चिकित्सालय अनूपपुर में उपचार चल रहा है। दूसरी ओर, सर्प प्रहरियों ने तीन दिनों के भीतर 15 से अधिक सांपों का सुरक्षित रेस्क्यू कर उन्हें जंगल में छोडा। साथ ही विभिन्न विद्यालयों में जागरूकता शिविर लगाकर विद्यार्थियों को सांपों की पहचान, उनसे बचाव और सर्पदंश की स्थिति में तत्काल उपचार कराने की जानकारी दी गई।

दस फीट के अजगर ने आठ फीट के अजगर को निगला

जिला मुख्यालय से लगभग 10 किलोमीटर दूर ग्राम पंचायत जमुडी के पटपरहा टोला में अजगर द्वारा अजगर का शिकार करने की घटना सामने आई। गांव निवासी प्रेम नारायण सिंह परिहार के घर के पीछे स्थित धान के खेत में करीब 10 फीट लंबा अजगर, लगभग आठ फीट लंबे दूसरे अजगर को मारकर निगल रहा था। उसके शरीर का आधे से अधिक हिस्सा निगलने के बाद वह खेत के बीच बैठा हुआ था। धान की कटाई के लिए खेत पहुंचे मजदूरों ने जब यह दृश्य देखा तो किसान प्रेम नारायण सिंह को इसकी जानकारी दी। इसके बाद उन्होंने जिला मुख्यालय के सर्प प्रहरी शशिधर अग्रवाल को सूचना दी। सूचना मिलते ही शशिधर अग्रवाल अपने सहयोगियों छोटेलाल यादव, मनोज यादव और पिंटू यादव के साथ मौके पर पहुंचे। वहां विशालकाय अजगर को दूसरे अजगर का शिकार करते हुए पाया गया। सर्प प्रहरियों ने सावधानीपूर्वक रेस्क्यू कर जीवित अजगर को बोरी में सुरक्षित रखा। वहीं, मृत अजगर को पास के जंगल में दफना दिया गया।

रसल वाइपर के डंसने से बालक और बुजुर्ग घायल

जिले में रसल वाइपर के डंसने की दो घटनाओं ने सर्पदंश के खतरे को भी सामने ला दिया है। ग्राम बडहर निवासी 13 वर्षीय मनीष, पिता महिपाल सिंह बंजारा, को घर के आंगन में सांप ने डंस लिया। दूसरी घटना ग्राम पंचायत बैहार के गूझी गांव की है, जहां 70 वर्षीय प्यारेलाल सिंह, पिता स्वर्गीय मोतीलाल सिंह, जंगल में मवेशी चरा रहे थे। इसी दौरान रसल वाइपर ने उनके पैर के निचले हिस्से में एडी के पास डंस लिया। दोनों को परिजनों द्वारा उपचार के लिए जिला चिकित्सालय अनूपपुर में भर्ती कराया गया। लगातार तेज दर्द और गंभीर सूजन के कारण उनकी स्थिति को देखते हुए सर्जन डॉ. साकेत कौशिक ने ऑपरेशन किया। समाचार के अनुसार, ऑपरेशन के दौरान पैरों के अंदर जमा खराब ऊतक और सडन को बाहर निकाला गया। फिलहाल दोनों मरीज अस्पताल में भर्ती हैं और उनका उपचार जारी है।

तीन दिन में 15 से अधिक सांपों का रेस्क्यू

सर्प प्रहरी शशिधर अग्रवाल के नेतृत्व में जिले के सर्प प्रहरियों ने पिछले तीन दिनों में 15 से अधिक जहरीले और विषहीन सांपों को लोगों के घरों तथा आसपास के स्थानों से सुरक्षित निकाला। रेस्क्यू के बाद सांपों को उनके प्राकृतिक आवास में स्वतंत्र विचरण के लिए जंगल में छोडा गया। सर्प प्रहरियों की इस सक्रियता से आबादी वाले क्षेत्रों में सांपों की मौजूदगी के कारण उत्पन्न खतरे को कम करने में मदद मिली। सर्प जागरूकता अभियान के तहत अनूपपुर और जैतहरी क्षेत्र के विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों में शिविर आयोजित किए गए। उत्कृष्ट विद्यालय, कन्या विद्यालय, बालक विद्यालय, पीआरटी महाविद्यालय अनूपपुर, शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय खांडा, सोनमौहरी और अमगवां सहित मॉडल विद्यालय अनूपपुर एवं जैतहरी में विद्यार्थियों को सांपों की पहचान, उनसे बचाव तथा सर्पदंश की स्थिति में अपनाए जाने वाले जरूरी उपायों की जानकारी दी गई। सर्प प्रहरी एवं वन्यजीव संरक्षक शशिधर अग्रवाल के नेतृत्व में छोटेलाल यादव, मनोज यादव, धर्मेंद्र यादव, लालदास सिंह, राम सिंह तथा जैतहरी के द्वारिका प्रसाद सेन और देवराज कोल ने जागरूकता अभियान में भाग लिया। विद्यार्थियों को बताया गया कि सांप के डंसने पर झाड-फूंक या घरेलू उपचार में समय गंवाने के बजाय पीडति को तत्काल शासकीय चिकित्सालय ले जाना चाहिए, ताकि समय पर उचित उपचार मिल सके। सर्प प्रहरियों ने लोगों से अपील की कि घरों, खेतों या बस्तियों के आसपास सांप दिखाई देने पर उन्हें मारने के बजाय प्रशिक्षित सर्प रक्षकों को सूचना दें। इससे मानव जीवन की सुरक्षा के साथ वन्यजीवों का संरक्षण भी सुनिश्चित किया जा सकता है।

शरद पूर्णिमा पर 16 कलाओं से परिपूर्ण होता है चंद्रमा-संदीप ज्योतिषी



पूजा और चांदनी में खीर रखने के लिए इस रात को उपयुक्त माना जा रहा है। शरद पूर्णिमा की संध्या पर घर के मंदिर में घी का दीपक जलाना शुभ माना जाता है। विशेष रूप से मां लक्ष्मी की प्रतिमा या तस्वीर के सामने दीप प्रज्वलित कर विधि-विधान से पूजा-अर्चना करने की परंपरा है। धार्मिक मान्यता के अनुसार, पूजा स्थल पर कमल के पुष्प पर विराजमान मां लक्ष्मी की तस्वीर रखना और देवी को कमल का फूल अर्पित करना शुभ फलदायी माना जाता है। इस दिन भगवान विष्णु और मां लक्ष्मी की पूजा के साथ सत्यनारायण कथा कराने का भी विधान है।

कोजागिरी और रास पूर्णिमा के नाम से भी प्रसिद्ध है पर्व

मां लक्ष्मी की पूजा और चांदनी में खीर रखने की है धार्मिक मान्यता



अमरकंटक। हिंदू धर्म में शरद पूर्णिमा का विशेष धार्मिक और आध्यात्मिक महत्व है। इसे कोजागिरी पूर्णिमा और रास पूर्णिमा के नाम से भी जाना जाता है। हिंदू पंचांग के अनुसार आश्विन मास की पूर्णिमा को मनाए जाने वाले इस पर्व को लेकर मान्यता है कि वर्ष में इसी दिन चंद्रमा अपनी 16 कलाओं से परिपूर्ण होता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, इसी रात्रि भगवान श्रीकृष्ण ने महारास रचाया था। शरद पूर्णिमा की रात चंद्रमा की किरणों से अमृत बरसने की मान्यता के कारण खीर बनाकर उसे रातभर चांदनी में रखने की परंपरा भी प्रचलित है। पंडित संदीप ज्योतिषी ने बताया कि हिंदू पंचांग के अनुसार, इस वर्ष पूर्णिमा तिथि 25 अक्टूबर को सुबह 11 बजकर 55 मिनट पर प्रारंभ होगी और 26 अक्टूबर को सुबह 9 बजकर 41 मिनट पर समाप्त होगी। पूर्णिमा तिथि 25 अक्टूबर की रात में रहने के कारण चंद्रमा की प्रसाद के लिए खीर बनाई जाती है, जिसे रात में चंद्रमा की रोशनी में रखा जाता है। इसके बाद तुलसी के समक्ष अर्पित कर श्रद्धालुओं में प्रसाद वितरित किया जाता है। मान्यता है कि चंद्रमा की किरणों के संपर्क में आने से खीर में अमृततुल्य गुण उत्पन्न होते हैं। हालांकि, यह धार्मिक आस्था से जुडी मान्यता है, इसका वैज्ञानिक रूप से रोगों को दूर करने वाला प्रभाव प्रमाणित नहीं है। पौराणिक कथा के अनुसार, चंद्रदेव का विवाह प्रजापति दक्ष की 27 पुत्रियों से हुआ था, लेकिन उनका अनुराग रोहिणी के प्रति अधिक था। इससे नाराज होकर दक्ष ने चंद्रदेव को क्षीण होने का श्राप दे दिया। श्राप के कारण चंद्रमा की कांति घटने लगी। इसके बाद देवर्षि नारद के परामर्श पर चंद्रदेव ने भगवान शिव की घोर तपस्या की। चंद्रदेव की तपस्या से प्रसन्न होकर भगवान शिव ने उन्हें वरदान दिया कि उनकी कांति धीरे-धीरे वापस लौटेगी और पूर्णिमा के दिन वे अपने संपूर्ण तेज को प्राप्त करेंगे। धार्मिक मान्यताओं में चंद्रमा के पूर्ण तेज से जुडी इसी कथा को शरद पूर्णिमा के महत्व से जोडकर देखा जाता है।

अमरकंटक से गौरेला-पेंड्रा जाने वाले चारों मार्ग बदहाल, पर्यटक और व्यापारी परेशान

कहीं सडक पर गड्ढों का अंबार तो कहीं पहाडियों का मलबा और टूटी पुलिया बनी परेशानी का कारण

बारिश थमने के बाद भी नहीं हुआ सुधार

अमरकंटक। पवित्र नगरी अमरकंटक से छत्तीसगढ के गौरेला-पेंड्रा-मरवाही जिले को जोडने वाले चारों प्रमुख मार्गों की स्थिति अत्यंत दयनीय बनी हुई है। जर्जर और गड्ढों से भरी सडकों के कारण पर्यटकों, तीर्थयात्रियों, व्यापारियों, विद्यार्थियों तथा स्थानीय नागरिकों को आवागमन में भारी परेशानियों का सामना करना पड रहा है। कहीं सडक पर गड्ढे ही गड्ढे हैं, तो कहीं पहाडियों का मलबा और टूटी पुलिया दुर्घटनाओं की आशंका बढा रही हैं। वर्षाकाल के दौरान इन मार्गों की स्थिति और अधिक खराब हो गई थी। बारिश का दौर समाप्त होने के बाद भी क्षतिग्रस्त सडकों की मरम्मत नहीं होने से लोगों की परेशानी बनी हुई है। इन मार्गों से प्रतिदिन आवागमन करने वाले लोगों का कहना है कि सडक की बदहाली के कारण कम दूरी तय करने में भी काफी समय लग रहा है। अमरकंटक से धर्मपानी, दुर्गाधारा, पकरिया और देवर गांव होते हुए गौरेला-पेंड्रा जाने वाला लगभग 25 किलोमीटर का मार्ग बेहद खराब स्थिति में है। सडक पर गड्ढों की भरमार होने से दोपहिया, तिपहिया और चारपहिया वाहनों को निकालना मुश्किल हो गया है। वाहन चालकों को समझ नहीं आता कि सडक के किस हिस्से से वाहन सुरक्षित निकाला जाए। इस मार्ग से लगभग 25 किलोमीटर की दूरी तय करने में डेढ घंटे तक का समय लग रहा है। कई स्थानों पर वर्षा का पानी अब भी जमा है, वहीं पहाडियों से आया मलबा भी रास्ते में पडा हुआ है। इससे आवागमन बाधित होने के साथ दुर्घटना की आशंका बनी रहती है।

जालेश्वर-डोकरगढी-मदरवानी मार्ग भी जोखिम भरा

अमरकंटक से जालेश्वर, डोकरगढी और मदरवानी होते हुए जाने वाला लगभग 35 किलोमीटर लंबा मार्ग भी बदहाली का शिकार है। सडक पर जगह-जगह बडे गड्ढे बन गए हैं। कई हिस्सों में गिट्टी और मुरुम बिखरी पडी है, जबकि कुछ स्थानों पर पहाडी का मलबा भी मार्ग पर मौजूद है। इस मार्ग से आवागमन करने वाले वाहन चालकों को काफी सतर्कता बरतनी पडती है। लगभग 35 किलोमीटर का सफर तय करने में डेढ से पौने दो घंटे तक लग रहे हैं। सडक की खराब स्थिति के कारण वाहनों के अनियंत्रित होने और दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। अमरकंटक से विश्वविद्यालय क्षेत्र की ओर करंगरा घाट और झगराखांड होते हुए जाने वाला लगभग 40 किलोमीटर का मार्ग भी जर्जर हो चुका है। बताया जा रहा है कि



वर्षाकाल में इस मार्ग के करीब 15 किलोमीटर हिस्से को भारी नुकसान पहुंचा है। सडक कई स्थानों पर टूटकर क्षतिग्रस्त हो गई है, विशेषकर घाट वाले हिस्से में आवागमन कठिन हो गया है। इस मार्ग से विश्वविद्यालय आने-जाने वाले छात्र-छात्राओं और कर्मचारियों को रोजाना परेशानियों का सामना करना पड रहा है। करीब डेढ घंटे में पूरा होने वाला सफर अब दो घंटे या उससे अधिक समय में पूरा हो रहा है। विश्वविद्यालय तक पहुंचने के लिए इस मार्ग का उपयोग करने वाले लोगों के लिए सडक की मरम्मत जरूरी हो गई है।

कबीर चबूतरा-क्योंची मार्ग पर पुलिया क्षतिग्रस्त

अमरकंटक से कबीर चबूतरा, आमाडोब और क्योंची होते हुए गौरेला-पेंड्रा तथा बिलासपुर की ओर जाने वाला लगभग 42 किलोमीटर लंबा मार्ग भी बदहाल है। कबीर घाट और क्योंची-गौरेला के बीच मार्ग पर बनी पुलियों के जोड वाले हिस्से क्षतिग्रस्त बताए जा रहे हैं। इससे इस मार्ग से गुजरने वाले वाहनों के लिए परेशानी बढ गई है। यह मार्ग अमरकंटक को छत्तीसगढ के प्रमुख क्षेत्रों से जोडने के लिहाज से महत्वपूर्ण है। इसकी खराब स्थिति का असर न केवल स्थानीय आवागमन पर पड रहा है, बल्कि पर्यटन और व्यापारिक गतिविधियां भी प्रभावित हो रही हैं। पवित्र नगरी अमरकंटक में मां नर्मदा के उद्गम स्थल के दर्शन-पूजन और प्राकृतिक पर्यटन स्थलों का भ्रमण करने के लिए पश्चिम बंगाल, ओडिशा, झारखंड और छत्तीसगढ सहित विभिन्न राज्यों से पर्यटक एवं तीर्थयात्री पहुंचते हैं। इनमें अनेक श्रद्धालु गौरेला-पेंड्रा क्षेत्र के पेंड्रा रोड रेलवे स्टेशन के माध्यम से अमरकंटक आते-जाते हैं। ऐसे में अमरकंटक को गौरेला-पेंड्रा-मरवाही जिले से जोडने वाले चारों मार्गों की खराब स्थिति यात्रियों के लिए बडी समस्या बन गई है। लंबा समय लगने, वाहन क्षतिग्रस्त होने की आशंका और दुर्घटना के खतरे के कारण यात्रियों को असुविधा झेलनी पड रही है। व्यापारियों और स्थानीय लोगों को भी आवागमन में कठिनाई हो रही है।

मरम्मत की दरकार, प्रशासन से कार्रवाई की अपेक्षा

स्थानीय स्तर पर इन चारों मार्गों की स्थिति को लेकर चिंता जताई जा रही है। वर्षाकाल में क्षतिग्रस्त हुई सडकों, घाटों और पुलियों की मरम्मत अब प्राथमिकता के आधार पर किए जाने की आवश्यकता है। लोगों का कहना है कि बारिश समाप्त होने के बाद भी यदि सडक सुधार का काम शुरू नहीं होता, तो आवागमन की समस्या लंबे समय तक बनी रहेगी। गौरेला-पेंड्रा-मरवाही जिला प्रशासन और लोक निर्माण विभाग से अपेक्षा की जा रही है कि वे चारों मार्गों का निरीक्षण कर क्षतिग्रस्त हिस्सों की मरम्मत, सडक पर पडे मलबे को हटाने और टूटी पुलियों को दुरुस्त करने के लिए प्रभावी कदम उठाएं। साथ ही राज्य शासन भी इस दिशा में आवश्यक पहल करे, ताकि अमरकंटक आने वाले पर्यटकों, तीर्थयात्रियों, विद्यार्थियों, व्यापारियों और स्थानीय नागरिकों को सुरक्षित एवं सुगम आवागमन की सुविधा मिल सके।